MPHIN/2021/83938

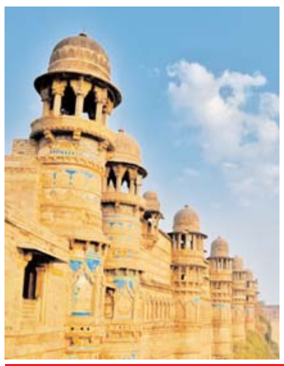

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 29 ग्वालियर,6 दिसम्बर, बुधवार 2023 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

इछावर से 8वीं बार विधानसभा पहुंचे बीजेपी प्रत्याशी करण सिंह वर्मा, जीत के मामले में सीएम शिवराज से दो कदम हैं आगे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर की इछावर विधानसभा से 8वीं बार जीत दर्ज करने वाले विधायक करण सिंह वर्मा जीत के मामले में, सीएम शिवराज से दो कदम आगे हैं. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां बुधनी विधानसभा से 6 बार जीत दर्ज की है, तो वहीं करण सिंह वर्मा ने इछावर विधानसभा से आठवीं बार जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचे हैं. आठवीं बार मिली विजयी के बाद सीनियर विधायक करण सिंह वर्मा ने सादगी भरे अंदाज में मतदाताओं का आभार जताया.बता दें इछावर विधानसभा सीट से करण सिंह वर्मा आठवीं बार विजयी हुई हैं. बीजेपी ने इस बार भी करण सिंह वर्मा पर ही विश्वास जताया था और उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया था. करण सिंह वर्मा पार्टी की उम्मीदों पर पूरी तरह खरे उतरे और उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी शैलेन्द्र पटेल को बड़े अंतर से हराया. करण सिंह वर्मा उमा भारती और शिवराज सिंह चौहान के मंत्रीमंडल में राजस्व मंत्री जैसे अहम पदों पर भी काबिज रह चुके हैं. करण सिंह वर्मा की सादगी के चर्चे पूरे मध्य प्रदेश में होती है. खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सार्वजनिक मंचों से करण सिंह वर्मा की तारीफ करने से नहीं चूकते हैं. करण सिंह वर्मा को चुनाव जीतने पर विजयी जुलूस निकाला गया, इस दौरान उन्होंने मतदाताओं का आभार जताया.

दिल्ली-मेरठ रैपिड कॉरिडोर का कितना काम हुआ पूरा, सरकार ने दी जानकारी

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के निर्माण पर इस साल 31 अक्टूबर तक लगभग 18,160 करोड़ रुपये का खर्च आया है और इस परियोजना पर 67.3 प्रतिशत प्रगति हुई है. राज्यसभा को यह जानकारी आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर ने दी है. उन्होंने बताया कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर को 30,274 करोड़ रुपये की लागत के साथ मंजूरी दी गई थी. 20 अक्टूबर को पहले फेज को हरी झंडी दिखाई गई थी.उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) भारत की पहली सेमी-हाई-स्पीड क्षेत्रीय रेल सेवा परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है. अक्टूबर में इसका नाम बदलकर नमो भारत कर दिया गया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गलियारे के 17 किलोमीटर लंबे, प्राथमिकता वाले खंड का उद्घाटन किया.एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, राज्य मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि एनसीआरटीसी ने सूचित किया है कि 31 अक्टूबर 2023 तक परियोजना पर 18,160.81 करोड़ रुपये का खर्च आया है. उन्होंने कहा कि जून 2025 तक इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य है. किशोर ने बताया 31 अक्टूबर 2023 तक दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के निर्माण में 67.3 प्रतिशत प्रगति हासिल हुई है.

180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी ट्रेनें–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 अक्टूबर को साहिबाबाद और दुहाई डिपो स्टेशनों को जोड़ने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी. इस कॉरिडोर पर ट्रेनें 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं. साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच प्राथमिकता वाले खंड में पांच स्टेशन- साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो हैं. जिस पर ट्रेन शुरू हो टुकी है.

सीएम योगी ने इशारों में किया अखिलेश यादव पर जुबानी हमला, बोला- जाति के नाम पर विलाप करने..

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति के नाम पर विलाप करने वाले लोग समाज और देश को कमजोर करते हैं. 2017 के पहले प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतें इनके चेहरों को बेनकाब करती थी. उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इंसेफेलाइटिस से 50 हजार से अधिक बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन, जाति-जाति करने वाले वोट बैंक की राजनीति करते रहे, जो उनकी संवेदनहीनता को प्रदर्शित करती है. आज उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पूरी तरह से नियंत्रण में है. इससे होने वाली मौतों में 96 से 98 प्रतिशत तक की कमी आई है.सीएम योगी ने मंगलवार को लोकभवन में %मिशन रोजगार% के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में विकास की बात तो दूर, यहां के लोगों के सामने पहचान का संकट था. साढ़े छह वर्षों में हमारी सरकार के कार्यों का नतीजा है कि आज यहां का व्यक्ति अपनी पहचान छिपाता नहीं है, बल्कि जो यूपी का नहीं है, वह भी खुद को उत्तर प्रदेश का बताता है.

डबल इंजन की सरकार में तेजी से हुआ विकास–सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले साढ़े छह वर्ष में उत्तर प्रदेश ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को काफी बेहतर किया है. 1947 से 2017 तक प्रदेश में केवल 12 मेडिकल कॉलेज बन पाए थे. आज उत्तर प्रदेश में 65 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें कई क्रियाशील भी हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा और आयुष से जुड़े लेक्चरर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कॉलेजों के प्रिंसिपल नियमित ओपीडी में बैठें. जितने भी पेशेंट देखें, उनकी केस स्टडी तैयार करें, साथ ही चिकित्सा शिक्षा में शोध को बढ़ावा दें.योगी ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने की वजह से विकास की स्पीड कई गुना बढ़ गई है. रायबरेली और गोरखपुर के एम्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है. आज उत्तर प्रदेश के पास आयुष विश्वविद्यालय है, जो नए कॉलेजों की मान्यता देने की कार्रवाई को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा कि पैरामेडिक्स और स्टाफ नर्स प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की बैकबोन हैं. पेशेंट के साथ इनका व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि ठीक होने के बाद पेशेंट उन्हें हमेशा याद रख

यूपी में शराब खरीदने वालों के लिए योगी सरकार ने लिया कड़ा फैसला, अब नहीं कर पाएंगे ये काम, दिए गए निर्देश

यूपी आबकारी विभाग ने विभागीय समीक्षा बैठक की, इस बैठक में मंत्री नितिन अग्रवाल के साथ विभाग के तमाम अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में राजस्व को बढ़ाने के साथ-साथ सीमावर्ती जनपदों में और अधिक सतर्कता बरतते हुए अन्तर्राज्यीय शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने, प्रवर्तन कार्यों में और तेजी लाए जाने विषयों पर चर्चा हुई. साथ ही दुकानों पर निर्धारित मूल्य पर शराब की बिक्री सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई.नवम्बर महीने में प्रदेश में 27,340.97 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है जो कि पिछले साल 24,958.50 करोड़ से करीब 10 प्रतिशत अधिक है. इस प्रकार अब तक पिछले साल से 2,382.47 करोड़ रुपये अधिक प्राप्त हुए हैं. आबकारी मंत्री ने राजस्व की समीक्षा करते हुए

दिग्विजय ने उठाया EVMपर सवाल, EVM चुनाव हारने के बाद बोले- जिस मशीन में लगी हो चिप, वो हो सकती है हैक

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है. यहां भारतीय जनता पार्टी ने बंपर जीत दर्ज करते हुए 163 सीटें अपने नाम की हैं. वहीं कांग्रेस को राज्य की 230 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 66 पर ही जीत मिल सकी. भारतीय जनता पार्टी की इस विराट जीत के बाद कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह नेंEVMयानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल खड़ा कर दिया है. चुनावी नतीजे आने के दो दिन बाद यानी 5 दिसंबर की सुबह-सुबह दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर एक बार फिर EVM पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷ऐसी कोई भी मशीन जिसमें चिप लगी हो वो हैक की जा सकती है. मैं साल 2003 से हीEVMसे मतदान कराए जाने के खिलाफ रहा हूं.÷ कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता ने आगे सवालिया लहजे

में कहा, ÷क्या हम भारतीय लोकतंत्र को प्रोफेशनल हैकर्स द्वारा कंट्रोल किया जाने दे सकते हैं?दिग्विजय सिंह ने इस सवाल को वो बुनियादी सवाल बताया है, जिसपर सभी राजनीतिक दलों को विचार करना चाहिए. इसी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भारतीय निर्वाचन आयोग और सुप्रीम कोर्ट से भी सवाल करते हुए कहा कि क्या वो भारत के लोकतंत्र को बचा सकते हैं? इससे पहले दिग्विजय सिंह ने सोमवार को ट्वीट्स की एक सीरीज में पोस्टल बैलेट के द्वारा मिले मतदानों की जानकारी साझा की थी. पोस्टल बैलेट के जरिए पड़ने वाले मतों में ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस पार्टी को बीजेपी से ज्यादा वोट मिले हैं. इसपर दिग्विजय सिंह सवाल करते हुए कहा कि अगर जनता वही है तो EVMऔर पोस्टल बैलेट के वोटिंग पैटर्न में इतना अंतर कैसे आ गया. दिग्विजय सिंह ने पोस्टल बैलेट के नतीजों की जानकारी देते हुए लिखा, पोस्टल बैलेट के जरिए हमें यानी कांग्रेस को 199 सीटों पर बढ़त है, जबकि इनमें से अधिकांश सीटों पर EVMकाउंटिंग में हमें मतदाताओं का पूर्ण विश्वास न मिल सका. पूर्व मुख्यमंत्री ने इसी के साथ लिखा, ÷यह भी कहा जा सकता है कि जब तंत्र जीतता है

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए सीएम, कांग्रेस ने किया अधिकारिक ऐलान, 7 दिसंबर को लेंगे शपथ

तेलंगाना के अगले मुख्यमंत्री प्रदेश अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी होंगे. रेड्डी का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार (7 दिसंबर) को होगा. इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कई नेता मौजूद रहेंगे. कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार (3 दिसंबर) को कहा कि रेवंत रेड्डी पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए हैं. उन्होंने पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, कांग्रेस विधायक दल

की बैठक सोमवार (4 दिसंबर) को हैदराबाद में हुई. कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार सहित अन्य नेता मीटिंग में शामिल हुए.उन्होंने आगे कहा, सीएलपी मीटिंग में दो तीन प्रस्ताव हुए. इसमें तेलंगाना के लोगों, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का शुक्रिया किया गया. बैठक की रिपोर्ट और चर्चा जानने के बाद खरगे ने रेवंत रेड्डी को विधायक दल का नेता चुना.

ग्रेटर नोएडा में छात्र गुटों के बीच मारपीट का वीडियो आया सामने, पुलिस ने 5 को हिरासत में लिया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कोतवाली दादरी क्षेत्र में स्थित सुपरटेक जार सोसाइटी में चल रही एक पार्टी में 6 लोगों ने हमला बोल दिया। मारपीट कर एक छात्र को अगवा करने का प्रयास किया। इस हंगामे के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल दिया।पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया है। यह घटना सोमवार की है। सुपरटेक जार सोसाइटी में रहने वाले उज्जवल भाटी के घर पर पार्टी चल रही थी। इसी दौरान कारों में सवार होकर आधा दर्जन लड़के वहां पहुंचे। इसके बाद उज्जवल और वेदांत के साथ मारपीट की।वेदांत को कार में डालकर जबरन अगवा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस इसे एक नामी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले दो छात्रों के गुटों में हुए विवाद का मामला बता रही है।एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार ने बताया कि दिल्ली निवासी शांतनु और शिवम के बीच तीन दिन पहले झगड़ा हुआ था। सोमवार को यूनिवर्सिटी के छात्र वेदांत, आर्यन, ओजस मिश्रा का दूसरे पक्ष के नीतीश भाटी, सुशांत बढ़ाना से झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों के पांच छात्रों को हिरासत में लिया गया है। छात्र के अगवा होने की बात गलत है।

ममता–नीतीश की नाराजगी के बीच बदल गई इंडिया गठबंधन की मीटिंग की तारीख, लालू यादव ने बताया कब मिलेंगे विपक्षी दल

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नीतीश कुमार की नाराजगी के बीच राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव ने मंगलवार (5 दिसंबर) को कहा कि इंडिया अलायंस की बैठक 17 दिसंबर को होगी. पहले यह बैठक बुधवार (6 दिसंबर) को होनी थी. इसे बैठक को कांग्रेस ने बुलाया था.इस बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने शामिल होने की सहमति नहीं दी थी, जिसके बाद इसे स्थिगत कर दिया गया था.

चक्रवात के कारण स्टालिन ने बैठक में आने से किया इनकार–सूत्रों के मुताबिक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था. वहीं, नीतीश कुमार तबीयत ठीक नहीं होने की वजह से मीटिंग से दूर रहने वाले थे.

ममता के घर में शादी का कार्यक्रम–वहीं, अगर बात करें ममता बनर्जी की को उनके घर में शादी का कार्यक्रम है, जिसकी वजह वह भी बैठक में शामिल होती. इसके अलावा अखिलेश यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बैठक में शामिल नहीं हो रहे थे.

3 राज्यों में कांग्रेस को लगा झटका–बता दें कि कांग्रेस ने यह मीटिंग ऐसे समय में बुलाई थी, जब हाल ही में 5 राज्यों में सम्पन्न हुए चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा. कांग्रेस को राजस्थान, मध्य प्रदेश, मिजोरम और छत्तीसगढ़ में शिकस्त मिली. पार्टी केवल तेलंगाना में जीत सकी.गौरतलब है कि इंडिया अलायंस की पिछली बैठक की मेजबानी शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने की थी. इस बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पांच राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए थे. मीटिंग में एक समन्वय समिति का गठन किया गया था. साथ अगले साल होने वाले आम चुनावों में साथ लड़ने के लिए प्रस्ताव भी पेश किया गया था.

चुनाव के बाद पुनः प्रारंभ हुई जन सुनवाई

कलेक्टर की पहल पर जनसुनवाई में होगा नवाचार

,खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

विधानसभा चुनाव-2023 के संपन्न हो जाने के बाद आज 05 दिसंबर से कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई पुनः प्रारंभ हो गई है। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने जनसुनवाई में समस्याएं लेकर आए आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने जनसुनवाई को लेकर नवाचार करने के निर्देश दिए हैं जिससे जनसुनवाई में समस्याएं लेकर आने वाले आवेदकों को लाभ हो और उनके आवेदनों का समय पर निराकरण हो सकेगा। नवाचार के तहत कलेक्टर श्री शर्मा ने जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों को ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित

अधिकारियों को पोर्टल पर दर्ज आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करना होगा और इसके प्रत्येक सप्ताह सोमवार को होने वाले टीएल बैठक में समीक्षा की जाएगी।

अनपढ़ आवेदकों के निःशुल्क लिखे जाएंगे आवेदन- जिले के दूरस्थ एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के ऐसे ग्रामीण जो जनसुनवाई में आते हैं और जिन्हें आवेदन लिखना नहीं आता है उनके आवेदन निःशुल्क लिखे जाने की व्यवस्था की है। इसके लिए जनसुनवाई में कॉलेज के समाजशास्त्र विषय के छात्र-छात्राओं एवं एम.एस.डब्ल्यू. के छात्र-छात्राएं अपनी सेवाएं देंगे। यह छात्र-छात्राएं **अनपढ़** आवेदकों के आवेदन निःशुल्क लिखकर देंगे। इससे छात्र-छात्राओं का समाजशास्त्र और सामाजिक गतिविधियां का व्यवहारिक ज्ञान बढ़ेगा।जनसुनवाई में गोविंदपुरा वार्ड नंबर 04 महेश्वर की मोनिका लोहार शिकायत लेकर आयी थी कि उसकी माता महेश्वर नगरपालिका में मस्टर के पद पर कार्य करती थी। उसकी मृत्यु के बाद मोनिका और उसके भाई को काम पर रखा गया था लेकिन मोनिका को छः माह से वेतन नहीं दिया गया है और दोनों भाई-बहन को काच

नगरीय क्षेत्रों की जल प्रदाय योजनाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 05 दिसंबर को जिले के नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं जलावर्धन योजना की निर्माण एजेंसी के अधिकारियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्रों के विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी भी मौजूद थे।कलेक्टर श्री शर्मा ने जिले के नगरीय क्षेत्रों के पेयजल प्रदाय योजनाओं को दुरूस्त रखने के निर्देश दिए और कहा कि गर्मियों के दिनों में पेयजल प्रदाय में किसी तरह की समस्या नहीं आना चाहिए। जिले के साथ नर्मदा नदी के किनारे बसे और इसके बाद भी शहरों में पेयजल प्रदाय करने में दिक्कतें हो तो ऐसी स्थिति को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। नगरीय क्षेत्र खरगोन के विश्व बैंक की सहायता से संचालित जलावर्धन योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना की क्षमता 30 एमएलडी जल प्रदाय की है। इसके लिए शहर को 07 जोन में बांटा गया है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 13 एमएलडी जल प्रदाय हो रहा है। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और सख्त निर्देश दिए कि इस योजना में आवश्यकता के अनुसार 18 एमएलडी जल प्रदाय प्रतिदिन किया जाए। इस योजना की वितरण लाईन एवं प्रत्येक जोन में लिकेज की जांच का कार्य 30 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जलावर्धन योजना के निर्माण एजेंसी के अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि वे नगरीय निकायों के नगरपालिका अधिकारियों से सतत् सम्पर्क बनाएं रखे और जलावर्धन योजना के कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें।बैठक में नगर परिषद कसरावद, करही, महेश्वर, मण्डलेश्वर की जल प्रदाय योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि करही की योजना में नल कनेक्शन हो चुके हैं और इंटकवेल का कार्य चल रहा ह

9 दिसम्बर को उच्च न्यायालय से लेकर तालुका न्यायालयों तक नेशनल लोक अदालत का आयोजन

खरगोन जिले
मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रदेश में शनिवार 9 दिसम्बर को उच्च न्यायालय स्तर से लेकर जिला न्यायालयों, तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों एवं कुटुम्ब न्यायालयों तक नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयीन लंबित दीवानी एवं आपराधिक शमनीय मामलों एवं बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर, संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों सहित सभी प्रकार के मामले निराकरण हेतु रखे जायेगें।नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम के लंबित प्रकरणों में निम्नदाव श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारित आदेश जारी तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्ति पश्चात 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारित आदेश जारी तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्ति पश्चात बाद 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।नेशनल लोक अदालत में मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत अधिरोपित संपत्ति कर एवं जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में बकाया राशि अनुसार अधिभार में शर्तों के अधीन 25 से 100 प्रतिशत तक की छूट घोषित की गई हैं। यह छूट 9 दिसम्बर की लोक अदालत के लिये ही दी गई है। इसके बाद ये छूट समाप्त हो जायेगी।राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अतिरिक्त सचिव ने न्यायालय में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने जनसुनवाई शुरू की

प्रति मंगलवार सुबह 11 बजे से सभी शासकीय कार्यालयों में होगी जनसुनवाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 15 आवेदनों पर कार्यवाही के निर्देश दिए

भिण्ड । आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात प्रति मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई प्रारंभ हो गई है।विधान सभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार जिले में लागू आदर्श आचरण संहिता समाप्त कर दी गई है।आज मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।
उन्होंने जिले के विभागीय अधिकारियों को कहा की लोगों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता में होना चाहिए। इसके लिए आवेदनों पर गंभीरता से कर्रवाई की जाए।जनसुनवाई के दौरान 15 आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर विजय यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने प्रस्तुत आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए कि आवेदकों की ओर से प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदनों पर गंभीरता के साथ कार्यवाही कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए साथ ही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराएं।

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने जनसुनवाई शुरू की

प्रति मंगलवार सुबह 11 बजे से सभी शासकीय कार्यालयों में होगी जनसुनवाई,कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 15 आवेदनों पर कार्यवाही के निर्देश दिए

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात प्रति मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई प्रारंभ हो गई है।विधान सभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार जिले में लागू आदर्श आचरण संहिता समाप्त कर दी गई है।आज मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।उन्होंने जिले के विभागीय अधिकारियों को कहा की लोगों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता में होना चाहिए। इसके लिए

आवेदनों पर गंभीरता से कर्रवाई की जाए।जनसुनवाई के दौरान 15 आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर विजय यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी, शहरी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने प्रस्तुत आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए कि आवेदकों की ओर से प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदनों पर गंभीरता के साथ कार्यवाही कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए साथ ही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराएं।

करणी सेना के प्रमुख की हत्या दुखद. खोड भाजपा मंडल अध्यक्ष

पुष्पांजलि टुडे नेटवर्क पाली राजस्थान

चाचोड़ी खरोखडा. जयपुर में करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर भारतीय जनता पार्टी खोड मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह खरोखड़ा ने गहरा दुख जगाया। उन्होंने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेडी का पूरा जीवन कमजोर गरीब वर्ग के लिए समर्पित रहा। ऐसे व्यक्ति का अ समय जाना अत्यंत दुखद है। राजपुरोहित ने राजस्थान पुलिस प्रशासन के प्रति कहा कि हथियारों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। राजनीति के दल के कार्यकर्ता सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दुखद घटना को लेकर काफी चिंतित हैं।

मुणोत ने मेघावी छात्रों को किया पुरूस्कृत

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू।श्री जगदगुरू रेणुकाचार्य विद्या संस्थान के राजाजी नगर स्थित एस जेआर महिला महाविद्यालय में कर्नाटक राज्य उत्सव के उपलक्ष में नूडी हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ,डॉक्टर बीवी राजाराम एवं डॉक्टर के शरीफा ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया. छात्राओं ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। महेंद्र मुणोत ने मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत किया. महाविद्यालय की प्राचार्या प्रेमा सिद्धराजू ने अतिथियों को सम्मानित किया।

भिण्ड जिले में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम मनाया गया

उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गयावहीं पर सबसे पहले जिला चिकित्सालय में इसका आयोजन किया गया।इस अवसर अस्पताल का समस्त स्टाफ शामिल रहा।और एचआईवी के प्रति हो रहे भेदभाव के वारे में विस्तार से चर्चा की गई। और 95 95 95 पर भी चर्चा की गई जिसमें सभी की एचआईवी रिपोर्ट का स्टेटस पता होना चाहिए और जिनको पता है उनमें से 95 प्रतिशत एआरटी पर लिंक होना चाहिए और जो लिंक है उनमें से 95त्न क्लाइंटों का वायरस टीएनडी होना चाहिए इसके बारे में सीएमएचओ शिवराम सिंह और भिंड अस्पताल के नोडल ऑफिसर आसंदीप शाक्य ने सभी स्टाफ को यह टारगेट

ध्यान में रखते हुए सभी संस्थाओं को एकजुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।और कहा कि जो सहयोग जिला अस्पताल से चाहिए वह सहयोग किया जाएगा लेकिन कार्य में कोई कसर नहीं छोड़नी है इसको 95त्न ही करना है जो समस्या आती है उसके लिए सीएमएचओ जिला भिंड और नोडल ऑफिसर हर समय तैयार है इन्हीं शब्दों के साथ कार्यक्रम को समापन की ओर ले जाते हुए कार्यक्रम को समाप्त किया गया और एचआईवी के प्रति जागरूकता अभियान के कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया और 15 दिसंबर तक जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है इसके बारे में भी जानकारी दी गई उक्त कार्यक्रम में जिला सीएमएचओ शिवराम सिंह कुशवाह नोडल ऑफिसर आसंदीप शाक्य आईसीटीसी काउंसलर सीमा जैन लैब टेक्नीशियन भारती एआरटी स्टाफ और बिहान सीएससी के कार्यकर्ता ऋषिकांत शर्मा और शिवम आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे

कटारिया भाईपा सम्मेलन की तैयारियाँ शुरू,आगामी 17 दिसंबर को होगा आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ।कर्नाटक भर के प्रवासी कटारिया परिवारों में आपसी समन्वय बढ़ाने, जुड़ाव को मजबूती देने तथा आपसी नेटवर्किंग का विस्तार करने के उद्धेश्य से कर्नाटक कटारिया फ़ाउंडेशन आगामी 17 दिसंबर को कटारिया भाईपा सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। मेन्स अवेन्यु के भंवरलाल कटारिया के मुख्य प्रायोजन में टुमकुरु रोड़ स्थित रेसीडेंसी रिसॉर्ट में इस सम्मेलन का आयोजन होगा। सम्मेलन की प्रारंभिक तैयारियों के अन्तर्गत कटारिया फ़ाउंडेशन के सदस्यों की एक टीम ने आयोजन स्थल का दौरा कर कार्यों का निरीक्षण किया। फ़ाउंडेशन के सचिव मिश्रीमल कटारिया के अनुसार आयोजन के दौरान कटारिया परिवारों के सदस्य अपनी विभिन्न कला-कौशल का प्रदर्शन करेंगे साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, सिद्धि तप-मासखमण-वर्षीतप करने वाले तपस्वियों तथा अन्य क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाले महानुभावो को सम्मानित किया जायेगा।फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष एवं मुख्य प्रायोजक भंवरलाल कटारिया ने सभी कटारिया परिवारों से इस सम्मेलन में सम्मिलित होने का आमंत्रण देते हुए अनुरोध किया कि सभी कटारिया परिवार फाउंडेशन से जुड़े एवं सक्रिय भागीदार बने। सम्मेलन की प्रारंभिक तैयारियों का भंवरलाल, मिश्रीमल, नवरत्नमल, पंकज कुमार,निर्मल कुमार,अशोक?कुमार, सुरेश कुमार, महेंद्र कटारिया इत्यादि ने रेसीडेंसी रिसोर्ट में ज़ायजा लिया।

युवाओं ने अटेर विधायक को भेंट की स्व .श्री सत्यदेव कटारे की कलाकृति

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।अटेर क्षेत्र के चुनाव में विजयी हुए हेमंत सत्यदेव कटारे को क्षेत्र के युवाओं के द्वारा स्व. श्री सत्यदेव कटारे की हस्तनिर्मित कलाकृति भेंट की गई।इस अद्भुत कलाकृति की खास बात यह है कि इसके पास से देखने पर तो यह हरे- लाल - पीले - लाल - रंग बिंदुओं से बनी है, लेकिन दूर से देखने पर यह अलग ही रंगो की दिखाई देखी है। इसके शिल्पी भाइयों रघुराज तिवारी - बृजराज तिवारी ने बताया कि इसको पिक्सेल बेस तकनीक पर लगभग पेंतीस हजार पुश - पिन से बनाया गया है। एक एक पिन को सावधानीपूर्वक तस्वीर में पूर्वनिर्धारित जगह पर लगाया है। इस को लगभग 110 घंटे के परिश्रम से बनाया गया है। इस कलाकृति को बनाने में इन दोनो भाइयों के अतिरिक्त सीटू यादव शशांक व्यास का भी सहयोग रहा, इन सभी युवाओं ने दिन रात मेहनत कर कलाकृति को मूर्त रूप दिया है।**इन युवाओं की टीम ने बनाई कलाकृति** -गजना, जनौरा निवासी रघुराज तिवारी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि स्व. सत्यदेव कटारे हम युवाओं की प्रेरणा हैं हम सबके दिल मे बसते हैं जब विधानसभा चुनाव का प्रचार चल रहा था तभी निश्चित हो गया था कि स्व. सत्यदेव कटारे के सुपुत्र युवाओं के चहेते हेमंत कटारे भारी बहुमतों से जीतकर आने वाले हैं तभी मन मे विचार बना लिया था कि हम उन्हें जीत के उपलक्ष्य में यादगार तोहफा भेंट करेंगे, हम अपने ब? भाई वृजराज तिवारी और अपनी टीम सीटू यादव, शशांक यादव, गोलू पाण्डेय और निखिल के साथ पुश पिनों द्वारा अटेर रोड स्थित अपने निज निवास पर स्व. सत्यदेव कटारे की कलाकृति तैयार करने में लग गये और लगभग 108 घंटे की मेहनत के बाद स्व. श्री कटारे की कलकृति तैयार हो गई जिसे आज हमने अपनी टीम के साथ मिलकर हेमंत भैया की जीत के उपलक्ष्य में तैयार कलाकृति ताई मीरा कटारे और हेमंत भैया को भेंट की।

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर दिव्यांग खिलाड़ियों ने किया नाम रोशन: शिक्षाविद अवस्थी

दिव्यांगता अभिशाप नही :बीआरसी बदरवास,विकासखंड स्तरीय दिव्यांग प्रतियोगिता का आयोजन :बीआरसी बदरवास

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष में जनपद शिक्षा केंद्र बदरवास द्वारा बी.टी.पब्लिक स्कूल बदरवास में दिव्यांग बच्चों के लिए विकासखंड स्तरीय दिव्यांग खेलकूद,सांस्कृतिक, सामर्थ्य प्रदर्शन का आयोजन किया गया जिसमें शासकीय/अशासकीय स्कूलों में अध्यनरत 60 से अधिक छात्र-छात्राओं भाग लिया.दिव्यांग प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं के अभिभावक सहित शिक्षक उपस्थित थे.कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पर दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना के साथ की गई प्रतियोगिता के शुभारंभ में छाया राठौर,गरिमा ग्वाल,महक खान द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद राधा मोहन अवस्थी उपस्थित थे एवं अतिथि के रूप में दिव्यांग शिक्षक सीताराम रघुवंशी एवं राजकुमार सेन उपस्थित रहे।अतिथि देवो भव- की परंपरा का निर्वहन करते हुए अतिथियों को शाल श्रीफल एवं माल्याअर्पण कर सम्मानित किया गया.प्रतियोगिता की अध्यक्षता घनश्याम शर्मा संचालक द्वारा की गई.दिव्यांग प्रतियोगिता में नींबू,जलेबी दौड़,रंगोली,50 मीटर दौड़,ड्राइंग पेंटिंग कुर्सी दौड़ एवं नृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई. छात्र-छात्राओं ने खेलों में अपना दम के साथ कैनवास में अपना हुनर दिखाया. प्रतियोगिता में उपस्थित माता एवं शिक्षिकाओं की चेयर रेस का आयोजन किया गया.मुख्य अतिथि अवस्थी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा आज के समय में दिव्यांगता अभिशाप नहीं है.पैराओलंपिक खेलों में दिव्यांग खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपना नाम रोशन किया है आप उनका उत्साह वर्धन करें.दिव्यांग बच्चों की प्रतियोगिता में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे घनश्याम शर्मा संचालक द्वारा भी संबोधित किया गया.अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा आज विभिन्न क्षेत्रों में दिव्यांग बच्चे राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं.जिन छात्रों ने प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त किया है एवं इसमें भागीदारी की है उन सभी को मैं बहुत बधाई देता हूं.बीआरसी तोमर एवं पूरी टीम को सफल एवं शानदार आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।प्रतियोगिता की शुरुआत में सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को बिस्कुट,केले,का वितरण किया गया।सभी छात्र-छात्राओं के लिए खाने की व्यवस्था की गई। प्रतियोगिता में सहभागिता एवं स्थान प्राप्त करने वाले समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं गर्म कपड़े देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 14 दिसंबर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। मुख्य अतिथि शिक्षाविद राधा मोहन अवस्थी द्वारा समस्त बच्चों के लिए पेन एवं चॉकलेट डेरी मिल्क का वितरण किया गया.प्रतियोगिता जिला शिक्षा केंद्र के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी संजीव पाठक बीएससी थे.पधारे हुए अतिथियों का शिक्षक साथी अभिभावकों का और बच्चों का आभार प्रदर्शन जन शिक्षक भूपेंद्र रघुवंशी द्वारा किया गया कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी का शानदार योगदान रहा।

यह रहे परिणाम- दौड़ प्रतियोगिता बालिका वर्ग प्रथम आरुषि गोस्वामी,द्वितीय कृष्णा प्रजापति,तृतीय करिश्मा बाल्मीक बालक वर्ग प्रथम रमन पटेलिया,द्वितीय हर्षित यादव, तृतीय राजा बाल्मीकि कुर्सी दौड़ प्रथम अभिमन्यु राठोर,द्वितीय कृष्णा प्रजापति,तृतीय सोना श्रीवास्तव चित्रकला प्रतियोगिता प्रथम करिश्मा बाल्मीकी,द्वितीय अंशिका बैरागी,नृत्य प्रथम सोना श्रीवास्तव द्वितीय,अंशिका वैरागी तृतीय राधिका यादव जलेबी दौड़ बालिका वर्ग प्रथम रुपाली वाल्मीकि, द्वितीय आरुषि गोस्वामी,तृतीय करिश्मा बाल्मीकि बालक वर्ग प्रथम रमन पटेलिया, द्वितीय विकास सेन, तृतीय राजकुमार पाल गोला फेक प्रथम करिश्मा बाल्मीकि,द्वितीय रुपाली वाल्मीकि, तृतीय कृष्णा प्रजापति, बालक वर्ग प्रथम हर्षित,द्वितीय देवराज,तृतीय विकास सेन,नीबू दौड़ प्रथम अंशिका वैरागी,द्वितीय करिश्मा बाल्मीकि,तृतीय रुपाली वाल्मीकि बालक वर्ग प्रथम देवरमन,द्वितीय रमन पटेलिया, तृतीय गोलू केवट। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समस्त खिलाड़ी 14 दिसंबर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे.

विश्व मृदा दिवस आयोजन,मिट्टी की सेहत के लिए जरूरी है संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र शिवपुरी द्वारा विश्व मृदा दिवस 5 दिसम्बर के अवसर पर कृषक संगोष्ठी सह जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यू.एस. तोमर, उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जिला शिवपुरी द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।विश्व मृदा दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र शिवपुरी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें रावे कृषि छात्रों के लिए थीम अनुसार ''मिट्टी और पानी जीवन का एक स्त्रोत'' विषय पर पोस्टर एवं व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय टीम को प्रमाण पत्र भी प्रदाय किए गए। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के निर्देशन में केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा मिट्टी के स्वास्थ्य एवं खेती को ध्यान में रखते हुए तकनीकी व्याख्यान दिए गए जिसमें प्रमुखता से डॉ. एम. के. भार्गव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, वैज्ञानिक

जे.सी. गुप्ता, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, डॉ. ए.एल. बसे?िया, वाय.सी. रिखा?ी, डॉ. एन.के. कुशवाहा के साथ मिट्टी की जांच, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती प्रोत्साहन के साथ-साथ वर्तमान कृषि मौसम परामर्श के लिए अनुसंधान अध्येता विजय प्रताप सिंह द्वारा भी जानकारी दी गई। उपसंचालक कृषि यू.एस. तोमर द्वारा कृषकों को पोषक तत्वों के प्रयोग के लिए जल विलय उर्वरक एवं नैनो यूरिया प्रोत्साहन के लिए भी समझाया गया। प्रगतिशील कृषक भगवान सिंह रावत ग्राम सतेरिया एवं भानु प्रताप सिंह ग्राम पाडोदा ने भी मिट्टी परीक्षण उपयोगिता के महत्व एवं मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के प्रयोग कर कृषि लागत कम करने के बारे में अपने अनुभवों को बतलाया। इस अवसर पर जागरूकता रैली कृषि विज्ञान केन्द्र शिवपुरी से कृषि उपज मण्डी प्रांगण पिपरसमां तक निकाली गई। जिसमें मण्डी में उपस्थित कृषकों एवं ग्रामीणों की सहभागिता के साथ मण्डी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य जन सामान्य की सहभागिता भी रही। कृषि विज्ञान केन्द्र पर प्रदर्शन इकाई प्राकृतिक खेती के मृदा नमूनों की जांच रिपोर्ट के बारे में कृषकों को बतलाया गया तथा कृषकों को मृदा परीक्षण जांच रिपोर्ट भी दी गई। स्वच्छ भारत जागरूकता अभियान के क्रम में स्वच्छता शपथ भी समस्त के द्वारा ली गई।उक्त आयोजन में 50 से अधिक कृषकों/कृषक महिलाओं, 15 रावे छात्रों, 4 अन्य छात्रों के साथ-साथ 16 अन्य सहभागियों एवं कृषि विज्ञान केन्द्र स्टॉफ के साथ कुल 85 व्यक्तियों की सहभागिता रही। आयोजन में कृषि विज्ञान केन्द्र के सतेन्द्र गुप्ता कार्यालय अधीक्षक सह लेखापाल एवं आरती बंसल स्टेनो की भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस परिवार की महिलाओं के कौशल उन्नयन हेतु, धृति पुलिस परिवार कल्याण केन्द्र की शुरुआत कर दिया प्रशिक्षण

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया के निर्देशन मे पुलिस परिवार की महिलाओं के कौशल विकास के लिये पुलिस लाइन शिवपुरी स्थित पुलिस प्रशिक्षण हॉल मे प्रशिक्षण कार्यक्रम धृति की शुरुआत की गयी है । जिसका उद्घाटन किया गया है । इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस परिवार की महिलाओं की कौशल क्षमताओं जैसे सिलाइ कढ़ाई, बुनाई, साज सज्जा, आचार-पापड़ बनाने की कला आदि को पहचान कर उन्नयन हेतु उचित प्रशिक्षण प्रदान कर आत्म निर्भर बनाना है ।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे अति. पुलिस अधीक्षक श्री संजीव कुमार मुले, रक्षिक निरीक्षक श्री अनिल कबरेती, सूबेदार श्री भानूप्रताप सिंह एवं पुलिस परिवार की लगभग 70 महिलायें उपस्थित रहीं

जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा-अमित शाह

हजारीबाग। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को झारखंड के हजारीबाग में सीमा सुरक्षा बल के 59वें स्थापना दिवस परेड समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर शाह ने स्पष्ट किया कि, अब जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से पूर्णत- मुक्त हो जाएगा। पूरा देश जानता है कि दशकों से भारत के विकास में वामपंथी उग्रवाद एक बाधा बन कर खड़ रहा है, लेकिन आजाद भारत के किसी भी सरकार ने इस समस्या का समाधान नहीं निकाला। आपने कहा कि, वामपंथी उग्रवाद का दंश झेल रहा क्षेत्र और भी पिछड़ता चला गया।साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वामपंथी उग्रवाद से निपटने की दिशा में ड़ोर-शोर से प्रयास किया जाने लगा। साल 2019 में जब अमित शाह ने केंद्रीय गृह मंत्री का पदभार संभाला, उसके बाद शाह के मार्गदर्शन में वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल हुई है। मोदी जी की दूरदर्शिता और शाह की सटीक रणनीतियों से साल 2022 और 2023 में वामपंथी उग्रवाद के

खिलाफ बड़ी सफलताएँ प्राप्त हुई हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के नए शिविर की स्थापना और उनकी तैनाती शाह की योजनाओं की प्राथमिकता है। 199 नए कैंपों की स्थापना और गश्त बड़ने से वामपंथी उग्रवादियों के सभी प्रकार के संसाधनों में कमी आई है। पिछले 9 सालों में मोदी सरकार के प्रयासों की वजह से हिंसा की घटनाओं में 52 फीसदी की कमी और मृत्यु की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। प्रभावित जिले 96 से घटकर 45 रह गए हैं और पुलिस स्टेशन 495 से घटकर 176 रह गए हैं।शाह के कुशल मार्गदर्शन में इतिहास में पहली बार इन जंगलों से घिरे गाँवों में मतदान केंद्र बने और लोगों ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दुर्गम इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुए, जो क्षेत्र को नक्सलवाद से मुक्त करने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में शाह के अकूत प्रयासों को दर्शाता है। दशकों से नक्सलवाद और %लाल% आतंक का गड़ रहे झारखंड का बूड़ा पहाड़ और खरबंदा जैसे दुर्गम क्षेत्र अब नक्सलियों के कब्जे से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। जिस बूड़ा पहाड़ पर नक्सलवादी जन अदालत लगाकर क्षेत्र के निवासियों पर अपना फरमान जारी करते थे, उस बूड़ा पहाड़ पर अब स्कूल खुल चुका है। सिमटते हुए वामपंथी उग्रवाद पर अंतिम प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार है। आज अमृतकाल में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम कगार पर है। ऐसे में वामपंथी उग्रवाद से देश को मुक्त कराने के लिए संकल्पबद्ध भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री अमित शाह का यह दावा सच साबित होने वाला है कि, अब वह दिन दूर नहीं जब पूरा देश वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा

सवाददाता तुला राम
सहीस दैनिक मौरेना

विधानसभा क्षेत्र 37-जैजैपुर के अंतिम 20वे चक्र के उपरांत मतगणना के परिणाम

केसरी छत्तीसगढ़

सक्ती । रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 37 जैजैपुर श्री अरूण कुमार सोम से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 37-जैजैपुर से श्री बालेश्वर साहू को 76747 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमश- श्री कृष्णकांत चंद्रा को 50825, श्री केशव प्रसाद चन्द्रा को 26877, श्री ओमप्रकाश बंजारे को 10405, श्री टेकचंद चन्द्रा को 3330, श्री दुर्गा लाल केंवट को 1852, श्री आलोक कुमार सोनवानी को 717, श्रीमती नीतू कुर्रे को 526, श्री हिन्देश कुमार यादव को 480, श्री मनोज कुमार बंजारे को 349, श्री सर्वेश कुमार गुप्ता को 338, श्री रामपाल कश्यप को 325, श्री भोज राम खूंटे को 259, श्रीमती उर्मिला खूंटे को 209, श्री सनिव कुमार डहरे को 195 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 840 वोट पड़े। इस तरह श्री बालेश्वर साहू 25922 मतों से विजयी हुए।

सक्ती विधानसभा आम निर्वाचन-2023

विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर के अंतिम 19वे चक्र के उपरांत मतगणना के परिणाम

सक्ती। रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 चंद्रपुर सुश्री दिव्या अग्रवाल से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर से श्री रामकुमार यादव को 85525 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमश- श्रीमती संयोगिता युद्धबीर सिंह जूदेव को 69549, श्री लालसाय खूंटे को 16898, श्री गणेश राम चालाक को 680, श्री सौरालाल भगत को 654, श्री हिन्देश कुमार यादव को 647, श्री अजीत कुमार को 599, श्री कन्हैया लाल साहू को 499, श्री हीरासिंह कुर्रे को 350 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 1028 वोट पड़े। इस तरह श्री रामकुमार यादव 15976 मतों से विजयी हुए।

दुमका पुलिस ने महज बारह दिनों में किया चोरी कांड का उद्भेदन,कांड में शामिल चार गिरफ्तार

चोरी की गई बेलोनो कार जामा थाना क्षेत्र से बरामद,चोरी किए गए पांच मोबाइल भी बरामद

दुमका झारखंड। दुमका पुलिस ने महज बारह दिनों में चोरी कांड का उद्भेदन करते हुए कांड में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफतार कर लिया7मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मोहम्मद नूर मुस्तफा ने बताया कि दिनांक 19.11.23 को दुमका नगर थाना में वादी नरेश चन्द्र यादव के लिखित आवेदन के आधार पर दुमका नगर थाना में कांड सं0-268/23 अंकित किया गया7जिसमे वादी द्वारा कार,मोबाईल,लैपटोप,रुपये एवं सोने चाँदी के आभूषण आदि चोरी होने की बात बताई गयी थी7पुलिस अधीक्षक दुमका के आदेशानुसार कांड के उद्भेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मोहम्मद नूर मुस्तफा अंसारी के नेतृत्व में टीम गठित की गई7गठित टीम द्वारा उक्त कांड में चोरी की गई बेलोनो कार जामा थाना क्षेत्र से बरामद की गई, जिसकी पहचान वादी द्वारा की गयी। कार को विधिवत जप्त कर थाना परिसर में रखा गया7जिसके बाद दिनांक-01.12.23 को

शाम में कांड का अनुसंधान के क्रम में ग्राम लखीकुण्डी में छापामारी की गई। छापामारी के क्रम में चार अभियुक्तों को लखीकुण्डी डंगाल में संदिग्ध गतिविधि में देखते हुए पुछताछ की गयी एवं उनकी तलाशी लिए जाने पर उनके पास से चोरी गये पांच मोबाईल बरामद किए गए एवं उनके द्वारा किये गये चोरी की घटना को स्वीकार किया । जिसके पश्चात चारो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मुन्ना अंसारी,पे-मनीर अंसारी,ईदउल सलामत उर्फ सोनू ,पे-सिंकन्दर अंसारी,तुफान खैरा उर्फ गोल्डन ,पे-हितलाल खैरा एवं शारुख अंसारी,पे-तहजु अंसारी सभी सा0- लखीकुण्डी थाना मुफ्फसिल जिला दुमका के रूप में हुई है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर,नुर मुस्तफा,परि0 पुलिस उपाधीक्षक अमित रविदास,परि0 पुलिस उपाधीक्षक आकाश भारद्वाज,पु0नि0 नितिश कुमार सह- थाना प्रभारी मुफ्फसिल दुमका, पु0नि0 अतीन कुमार सह-थाना प्रभारी नगर थाना दुमका, पु0अ0नि0 तारिक वसीम नगर थाना दुमका,पु0अ0नि0 रोहित कुमार नगर थाना दुमका एवं एवं सशस्त्र बल शामिल थे7

कोटा स्थित शासकीय निरंजन केशरवानी कॉलेज के पास छात्रा पर जानलेवा हमला, युवक हुआ फरार,पुलिस जांच मे जुटी।

करगी रोड -कोटा शासकीय निरंजन केशरवानी कॉलेज कोटा में अध्यनरत एम.ए.की छात्रा पर योगेश साहू नामक युवक ने जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया ,जिसे राहगीरों ने ईलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटा में भर्ती कराया।मिली जानकारी के अनुसार रोज की तरह छात्रा पड़ाई के लिए निरंजन केशरवानी कॉलेज कोटा गई हुई थी जब वह घर वापस जा रही थी इसी दौरान अचानक योगेश साहू ने छात्रा पर जानलेवा हमला कर दिया छात्रा के गले व सिर पर चोट आई हैं। युवक घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टर द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद सिम्स बिलासपुर रिफर कर दिया है। कोटा पुलिस मामले के जाँच में जुट गई है। युवक ने घटना को अंजाम किस वजह से दिया है इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल पाई है।निरंजन केशरवानी कालेज कोटा में पड़ने वाले छात्र छात्राओं की सुरक्षा के लिए ना ही सिक्योरिटी गार्ड है

संपादकीय

रेस्क्यू टीम को सैल्यूट

जीवन में कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं जब कोई भी आम या खास मुसीबत में फंस जाता है। मुसीबत से बच निकलने के लिए सबसे बड़ी चीज है अपना हौसला बनाए रखना। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि मुसीबत में आपको मजबूत विल पॉवर ही बचा सकती है। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी के सिलक्यारा में अचानक एक सुरंग खुदाई के दौरान ढह गई और 41 मजदूर इसमें फंस गए। मुसीबत के वक्त पूरा देश इन सबके समर्थन में एक हो गया और रेस्क्यू करने वाली सभी एजेंसियां एक ऑपरेशन में जुट गई, जिसका नाम था 'मिशन जिन्दगी' आप जानते ही हैं कि सभी श्रमिक जो देश के भिन्न भागों से जुड़े थे, सुरंग से बाहर निकाल लिए गए और इस पर पूरे मीडिया जगत की और चेनल्स की एक ही टिप्पणी थी कि पहाड़ का सीना चीरकर जिन्दगी जीत गई। मीडिया जगत में सबकुछ पॉच्जीटिव रहा जो अच्छी बात है परन्तु हमारी लेखनी रेस्क्यू ऑपरेशन टीम, वो कम्पनी और मोदी सरकार को भी सैल्यूट करती है जिन्होंने मजदूरों को 17 दिन तक फंसे रहने के बाद बचाने के लिए एक मुहिम छेड़ दी और सभी मजदूरों की सुरक्षा के साथ ही इसे अंजाम दिया सही मायनों में इसे कहते हैं रेस्क्यू और जज्बा जो सरकारों की मजबूत नीयत और कर्तव्य परायणता के बगैर अधूरा है। यहां मैं विशेष रूप से एनडीआरएफ, एसडीएमएफ, ओएनजीसी, समेत 10 राहत टीमें जो 24 घंटे इस ऑपरेशन में जुटी रहीं की तारीफ करना चाहती हूं। लेकिन मुसीबत की इस घड़ी में असली काम हमारे उन 'रेट माइनर्स' ने किया जो उस समय बुलाये गए जब मशीनें टूट गई और फिनिशिंग के वक्त खुदाई यानी कि ध्ड्रीलिंग रोकनी पड़ी, ऐसे में दिल्ली से गई 'रेट माइनर्स' ग्रुप की टीम ने सुरंग में पाइपों के जरिये घुस कर हाथों से मिट्टी खोदी और उसे तेजी से बाहर फैंका। यह काम बहुत कठिन था लेकिन 10 मीटर की इस खुदाई ने मजदूरों तक पहुंचने का एक मार्ग तैयार कर दिया जिससे श्रमिक सुरंग से बाहर निकले। उनके इस साहस की, उनकी इस मेहनत की जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है। यद्यपि उत्तराखण्ड सरकार ने उन्हें इनाम और मेहनताना दिया है परन्तु इन 'रेट माइनर्स' ने सिद्ध कर दिया है कि आज भी इंसानी मेहनत बड़ी से बड़ी चट्टानों को उस समय काट सकती है जब मशीनें काम करना छोड़ देती हैं। ये 'रेट माइनर्स' और रेस्क्यू टीम के सही हीरो हैं जिन्होंने 24 घंटे लगातार काम करके इस कठिन लक्ष्य को पा कर ही दम लिया लेकिन फिर भी कुछ ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने 17 दिन तक इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अपनी सेवाएं प्रखर रूप से निभाई। जब टनल में सबसे बड़ी ऑगर मशीन ने काम करना बंद कर दिया तो भी आस्ट्रेलियाई टनल विशेषज्ञ डिक्स और उनके सहयोगी क्रिस कूपर डटे रहें और मिशन को सही दिशा ध्देते रहें जब सब कुछ कठिन से कठिनतम होने लगा तो एक इंजीनियर प्रवीन कुमार ने मशीन के टूटने पर धातु के गॉडर से 40 मीटर से अधिक रेंग कर टनल में एंट्री मारी और मजदूरों की लोकेशन का पता लगाया। वहीं नेशनल हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कॉपरेशन के महमूद अहमद सारे ऑपरेशन की मॉनीटरिंग के साथ-साथ डाटा आगे फीडबैक देते रहें। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने अपने प्रमुख सचिव पीके मिश्रा को सिल्क्यारा जाने को कहा जहां जाकर उन्होंने सब कुछ किया साथ ही ऑपरेशन के बारे में मुख्यमंत्री धामी और पीएम के बीच पुल का काम किया। ड्यूटी तो सभी करते हैं लेकिन कठिन हालात में धैर्य न खोते हुए जिन्दगी बचाने का काम एक कठिन डगर होती है। सभी रेस्क्यू टीम के सदस्य न केवल बधाई के पात्र हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण हैं। तभी तो पूरी दुनिया में कहा जा रहा है। यह भारत के लोग ही हैं जो मशीन की विफलता पर हावी होकर किसी भी असंभव कार्य को संभव बना सकते हैं।आज के जमाने में जब विज्ञान और टैक्नोलॉजी की बातें होती हों तब उस सुरंग के बाहर बाबा खौफनाग के मंदिर में उन्हें पहाड़ों का देवता मान कर पूजा की जा रही हो और इसमें विश्व टनल एक्सपर्ट डिक्स भी शीष झुका दे तो यह भारतीय देवी-देवताओं के प्रति आस्था है। कठिन मंजर खत्म हो चुका है। हमारे श्रमिक सुरक्षित अपने घर पहुंच चुके हैं लेकिन आगे से ऐसी घटना कभी न हो उसके लिए सुरक्षा उपाय जरूरी है। ताकि मुसीबत के वक्त मशीनी उपाय और मानवीय उपाय पहले से तैयार रखना जरूरी है। हालांकि 'रेट माइनर्स' आजकल ज्यादा प्रयोग में नहीं लाये जाते लेकिन कठिन परिस्थितियों में उन्होंने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। उनके जज्बे को सैल्यूट तो बनता ही है। सारे रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने चट्टानी मुश्किलों पर इंसानी जीत के बाद तिरंगे के साथ फोटो खिंचवाई यह हमारे देश की मजबूती को दुनिया के सामने एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। यही अनेकता में एकता वाले भारत की एक खास झांकी है और मुसीबत में एक रहने के इसी जज्बे को पूरा देश सलाम कर रहा है।बड़ी बात यह रही कि प्रधानमंत्री अपने सहयोगियों के साथ पूरे 17 घदिन इस ऑपरेशन जिन्दगी के बारे में फीडबैक लेते रहे और जब श्रमिक बाहर आ गए तो उन्होंने श्रमिकों से बातचीत करते हुए उनका दर्द जाना और उनकी सुरक्षा पर उन्हें बधाई भी दी। जिम्मेदारी का यह जज्बा भी उस समय बहुत काम आता है जब घ्कोई मुसीबत में होता है।

'महिला अग्निवीरों' की शिरकत से और सशक्त हुई भारतीय नौसेना

डॉ. रमेश ठाकुर

नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसेनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है।

नौसेना बलों की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। इसलिए भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है। इसलिए क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार 'अग्निवीर महिला सैनिक' नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकडी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज'नौसेना दिवस'है इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसेनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है। बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन् 1971 के इंडो-पाक युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को 'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया। नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है। बंदरगाह की यात्राओं, विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ संयुक्त अभ्यास, परोपकारी मिशनों, समुद्री किनारों को सुरक्षा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन्हीं कंधों पर होती है। नौसेना की अकल्पनीय भूमिका पर तो चर्चाएं होती ही है, उनकी देश भक्त निष्ठा जनमानस को सेना के प्रति आदर-सम्मान करना भी सिखाती है। देश का कोई ऐसा शख्स नहीं जिसे अपनी सेना पर गर्व न होता हो। नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री प्रभाग है, जिसमें राष्ट्रपति कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करता है। बहरहाल, नौसेना के समक्ष इस वक्त कुछ चुनौतियां खड़ी हुई है। वो चुनौती चीन दे रहा है। दरअसल, चीन हमारे समुद्री क्षेत्र में घुसपैठ करने की फिराक में कई समय से घात लगाए बैठा हुआ है। ये सच है कि सेना से वास्ता रखने वाली ज्यादातर सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जाती, इसलिए कि इंटरनल सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है। फिर भी अगर कोई सूचना सेना द्वारा देशवासियों को दी जाए, तो समझ लेना चाहिए, मामला गंभीर है। नौसेना को सूचना मिली है कि हिंद प्रशांत में चीन कभी भी कोई बड़ी गड़बड़ी कर सकता है। ये बात पिछले ही सप्ताह खुद नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताई। मसला वास्तव में गंभीर है, हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य शक्तियों के माध्यम से भारतीय जलीय परिक्षेत्र में आक्रमण करने के मूड में है। हालांकि, कुछ एशिया देशों ने तो घुटने टेक भी दिए हैं। पाकिस्तान के जल क्षेत्र में वो खुलकर मनमानी कर रहा है। लेकिन उसकी भारतीय क्षेत्र में हिम्मत नहीं हो रही। उनको पता है भारतीय नौसेना उनका बुरा हाल कर देगी। भारतीय नौसेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नौसेना मानी जाती है। इसलिए चाइना इंडियन नौसेना की ताकत को अच्छे से जानता-समझता है। जलीय महासागरों का इस्तेमाल किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए होता है। इस लिहाज से देखें तो चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने का एक वैध कारण है। पर, हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय नौसैनिक शक्ति के रूप में, वहां क्या हो रहा है, इस पर भारतीय नौसेना अगर नजर रखती है तो चीन चिड़ता है। वो चाहता, उसकी कोई पहरेदारी न करे, समुंद्री संपदा पर दंबगई से राज करता रहे। पाकिस्तान, ताइबान, नेपाल आदि मुल्क शांत रहते हैं, वैसी ही उम्मीद चीन भारत से करता है। लेकिन, भारतीय नौसैनिक हमेशा चौकन्नी रहती है। चीन भी जानता है कि उनकी छोटी सी भूल पर ही भारतीय सैनिक उनको नेस्तनाबूद कर देंगे। इसलिए चीन फूंक-फूंक कर कदम रखता है। भारतीय नौसेनिकों को 'जल प्रहरी' भी कहा जाता है, क्योंकि वो जल मार्ग की सुरक्षा में हमेशा मुस्तैद रहते हैं। वैसे, आज नौसेना दिवस पर चीन की निगाहें हमारी नौसेनिक प्रदर्शन पर गड़ी रहेगी। भारतीय नौसेना अपनी पश्चिमी कमान से लबरेज विभिन्न किस्म के जहाजों और नाविकों को इकट्ठा करके सामूहिक जश्न मनाएगी। उत्सव के दौरान, नौसेना दिवस की गतिविधियों का समन्वय पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम द्वारा होगा। युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के अलावा, नौसेना के उप-जहाज, विमान और अन्य बल एक व्यावहारिक प्रदर्शन में अपने कौशल और ऊर्जा का प्रदर्शन करेंगे। आज के दिन नौसेना अपने युद्धपोतों व विमानों को एर्नाकुलम में प्रदर्शनी महोत्सव आयोजित करके आम जनों को भी दिखाने का सुअवसर देती है जिसमें नेवी बॉल्स, नेवी क्वींस और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं।

सदन को हंगामा नही चर्चा चाहिए

प्रेम शर्मा

पिछले कुछ सालों से ऐसा लगने लगा है कि संसद और विधानसभा सत्र की लगातार बाधित होती कार्यवाही प्रक्रिया का मूलभूत हिस्सा बन चुका है। हालांकि सैद्धांतिक तौर से ऐसा नहीं है, लेकिन व्यवहार में हम ऐसा ही देख रहे हैं। राज्यसभा और लोकसभा दोनों ही सदनों और राज्यों की विधानसभाओं में सत्र के दौरान हंगामा और अवरोध का ही बोलबाला रहा। हालांकि संसद में ये जो हंगामा हुआ है. इसके पीछे एक पृष्ठभूमि है। दरअसल सरकार की ओर से एक एडवाइजरी जारी की गई कि सदन में कोई भी धारना-प्रदर्शन, नारेबाजी या तख्तियां लेकर हंगामा नहीं होगा। दूसरी वजह है सरकार की ओर से दिशा-निर्देश की एक पुस्तिका जारी करना है। इसमें असंसदीय शब्दों का दायरे में भ्रष्टाचार और तानाशाही जैसे शब्दों को भी शामिल कर लिया गया। विपक्ष ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करता रहा है। कांग्रेस की सरकार में भी ऐसी एडवाइजरी जारी की गई थी लेकिन अनुरोध किया गया था। लेकिन मोदी सरकार ने काफी कड़ा रुख लिया है। विपक्ष की नाराजगी की एक वजह ये भी है। भले ही विपक्ष कमजोर है. लेकिन वह जनता को दिखाना चाहता है कि वह उनके मुद्दों को उठा रहा है। दूसरी ओर सरकार अपने रुख पर अड़ी दिखती हें ? देखिये ऐसी स्थिति में तो फायदा सरकार को हो रहा है। सरकार जो बिल पारित कराना चाहती है करा रही है. इस पर चर्चा नहीं हो रही है। जबकि बिल संसद की आत्मा है। जब बिल पर ही चर्चा नहीं हो रही है तो फिर क्या रह जाता है। ऐसा ही सख्त लहाजा इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के दौरान योगी सरकार द्वारा अपनाया जा चुका है। बहरहाल इसका सीधा उदाहरण पिछली अगस्त के मानसून सत्र के दौरान देखा जा चुका है जिसमें सदन में 23 विधेयक पास किए गए और इनमें 20 विधेयक ऐसे थे जिन पर एक घन्टे भी चंचा नही हुई ! इसी तरह इसके पूर्व जुलाई में इण्डिया गठबंधन ने बिना सोचे समझें प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास की पैरोकारी कर डाली और वह औंधे मुंह गिर पड़ें। संसद डायलॉग का रास्ता है. आपको बैठ कर बीच का रास्ता निकालना होगा. तभी संसद चल पाएगी और कामकाज हो सकेगाश्श् संसद के कामकाज का इस तरह हंगामे की भेंट चढ़ जाना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं माना जाता है।हमारे और आपके द्वारा चुने गए नेताओं के संसद में शोर और हल्ला करने से देश की इकोनॉमी पर काफी असर पड़ रहा है। देश में रहने वाले करदाताओं का पैसों का नुकसान हर घंटे केवल संसद में नेताओं के हो-हल्ले के कारण हो रहा है।संसद की प्रत्येक कार्यवाही पर करीब हर मिनट में ढाई लाख (2.5 लाख) रुपये खर्च का अनुमान है।आसान भाषा में समझें तो एक घंटे में डेढ़ करोड़ रुपये (1.5 करोड़) खर्च हो जाता है। इसी तरह विधानसभाओं का खर्च है अगर मान लो किसी राज्य की विधानसभा का सालाना बजट 100 करोड़ रुपए है, जिसमें से 15 करोड़ रुपए अनुदान, वेतन और खर्चों के रहते हैं। बाकी 85 करोड़ रुपए सदन की कार्रवाई के संचालन पर खर्च होते हैं। यानी सालभर में तकरीबन 45 बैठकें होती हैं। इस हिसाब से एक दिन की बैठक के दौरान पांच घंटे सदन की कार्रवाई चलती है, जिस पर 2 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। एक घंटे की कार्रवाई पर 40 लाख रुपए और 1 मिनट की कार्रवाई पर खर्च 66 हजार रुपए के करीब है। इसके अलावा सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लगाई जाने वाली पुलिस और अन्य सुरक्षा के साथ सदन के आसपास की यातायात व्यवस्था के ध्वस्तीकरण से कोई अनजान नही है। केन्द्र का सदन चलने पर केन्द्रीय मंत्रियों के साथ उनके सहयोगियों एवं विभागों के अफसरों का राजधानी में एकत्रित होने का खामियाजा आम आदमी को उठाना पड़ा है। इसी तरह विधानसभा सत्र के दौरान राजधानियों की यात्रायात व्यवस्था पटरी से उतरनी आम बॉत है। ऐसे में अगर सत्रों को हंगामें की भेंट चढ़ाया जा सता है तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी से पक्ष और विपक्ष भाग नही सकता। संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से शुरू होगा और यह 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिनों की अवधि में 15 बैठकें होंगी। सरकार की तरफ से विपक्षी दलों के साथ बैठक में कहा जा चुका है कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि सदन में चर्चा के लिए पूरा माहौल बने और कहीं कोई व्यवधान न हो.। विपक्षी नेताओं ने पुराने आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए जा रहे तीन विधेयकों के अंग्रेजी में नाम, महंगाई, जांच एजेंसियों के ''दुरुपयोग'' और मणिपुर पर चर्चा की मांग रखर रखी है। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि 19 विधेयक और दो वित्तीय विषय विचाराधीन हैं। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्ष ने कुछ मुद्दों पर चिंता व्यक्त कि है जिसमें चीन द्वारा ''हमारी जमीन हड़पना'', मणिपुर, महंगाई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का ''दुरुपयोग'' शामिल है। प्रल्हाद जोशी के अनुसार सरकार दो वित्तीय सहित कुल 21 विधेयकों को पेश करेगी. तीन विधेयक गृह मंत्रालय के हैं. जिनमें से एक विधेयक सेंट्रल यूनिवर्सिटी, संवैधानिक आदेश पर आधारित होगी। इसके अलावा निरसन एवं संशोधन विधेयक (लोकसभा द्वारा पारित रूप में), अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक (राज्यसभा द्वारा पारित रूप में) और प्रेस एवं आवधिक पंजीकरण विधेयक (राज्यसभा द्वारा पारित रूप में) पर सत्र के दौरान चर्चा होगी। संविधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश (संशोधन) विधेयक, संविधान (जम्मू-कश्मीर), अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक, जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर भी चर्चा होगी। डाकघर विधेयक और मुख्य चुनाव आयुक्त तथा अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल अवधि) विधेयक भी विचाराधीन है। बॉयलर विधेयक, करों का अनंतिम संग्रह विधेयक, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) द्वितीय (संशोधन) विधेयक और केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023 पर भी चर्चा हो सकती है।सत्र में वित्तीय कार्यों के अलावा, वर्ष 2023-24 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के पहले बैच पर प्रस्तुति, चर्चा और मतदान होगा और संबंधित विनियोग विधेयक को पेश किया जाएगा, विचार किया जाएगा और पारित किया जाएगा. वर्ष 2020-21 के लिए अतिरिक्त अनुदान मांगों पर प्रस्तुति, चर्चा और मतदान और संबंधित विनियोग विधेयक को पेश करने, विचार करने और पारित करने पर भी चर्चा की जाएगी। बहरहाल सदन में नोंकझोक होना एक स्वस्थ लोकतंत्री की जरूरत है। लेकिन पिछले कुछ अरसे से जो कुछ सदनों में हो रहा है वह सत्ता के अहंकार को प्रदर्शित करता है। कमजोर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों का जबाब अहंकार की भाषा में दिए जाने का प्रचलन बढ़ा है। ऐसी स्थिति में विपक्ष द्वारा गैरवाजिब स्तर पर हंगामा होना आम बॉत है। जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकारों द्वारा घुमा फिराकर जबाब देना आम बॉत है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा एवं स्वस्थ्य सुविधा, बिजली और पानी जैसे मुद्दों पर सरकार के स्पष्ट जबाब न आने भी इस बॉत का प्रमाण है कि सदन को चलाने के लिए सरकार अपना नियम चलाना चाहती है तो विपक्ष अपनी बॉत रखकर उससे सुष्पष्ट जबाब मांगता है। चार दिसम्ब्र से शुरू हो रहे शीत कालीन सत्र में तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा और आप सांसद राघव का मामला जरूर शोर मचायेगा। इसके अलावा विधानसभा चुनाव मध्यप्रदेश, छतीसगढ,राजस्थान और तेलगांना के चुनाव परिणाम का सीधा असर दिखाई पड़ेगा। क्योंकि भारी शोर शराबे के बावजूद एक बार फिर भाजपा अपनी ताकत का आभास विपक्ष को करा चुका है। चुनाव परिणाम निश्चित तौर से भाजपा के पक्ष में आए है इसलिए एक बार फिर इस परिणाम का असर सत्र के दौरान दिखाई पड़ेगा।

विश्वसनीयता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं एक्जिट पोल

भूपेन्द्र गुप्ता

वैसे तो एग्जिट पोल भारतीय चुनावी परिदृश्य को दो दशक से प्रभावित करते रहे हैं। किंतु 2023 के ताजा एग्जिट पोल सामने आने के बाद विरोधाभास की स्थिति पैदा हो गई है। देश के एक प्रतिष्ठित चौनल के प्रतिष्ठित पत्रकारों ने ही अपने चौनल पर प्रसारित किये जा रहे एग्जिट पोल से असहमति जाहिर कर दी,और इसे सार्वजनिक भी कर दिया। तब एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर पूरे देश में बहस शुरू हो गई है । क्या एग्जिट पोल वास्तविकता के नजदीक होते हैं ? क्या एग्जिट पोल में वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का उपयोग होता है ? क्या एग्जिट पोल भौगोलिक रूप से संपूर्ण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं ? या इसमें कल्पनाशीलता का भी रंग होता है । सन 2013 में जिन भी संस्थाओं ने चुनाव के बाद अपने एग्जिट पोल जारी किए थे उनमें इंडिया टुडे ने मध्य प्रदेश में भाजपा को 138 और कांग्रेस को 80 सीटें बताई थी जबकि चुनाव के वास्तविक परिणाम सामने आए तो भाजपा को 165 और कांग्रेस को मात्र 58 सीट ही मिली थी ।इसका अर्थ यह है कि परिणाम विश्वास योग्य नहीं थे।इसी तरह 2013 के राजस्थान चुनाव के लिए इस कंपनी ने भाजपा को 110 और कांग्रेस को 62 सीटें दी थीं जबकि वास्तविक परिणाम में भाजपा को 163 एवं कांग्रेस को मात्र 21 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इसी तरह 2018 में अगर देखा जाए तो एक्सेस माय इंडिया ने 2018 में मध्य प्रदेश के लिए भाजपा को 111 और कांग्रेस को 113 सीटों की घोषणा की थी वास्तविक परिणाम में यह भाजपा को 109 और कांग्रेस को 114 सीट प्राप्त होने से माना जाने लगा कि इनका एग्जिट पोल सर्वाधिक सही था लेकिन इसी कंपनी द्वारा 2018 में ही राजस्थान में किये गये सर्वेक्षण में भाजपा को 63 और कांग्रेस को 130 सीट बताई गई थीं जबकि वास्तविक परिणाम में भाजपा को 73 और कांग्रेस को 99 सीट प्राप्त हुई थीं।इसका अर्थ है कि एक ही संस्था द्वारा एक ही तरह की प्रणाली का उपयोग करके किए गए सर्वे के परिणाम भी भिन्न-भिन्न हो सकते हैं और उसमें किसी एक राज्य में एक्यूरेसी होने के बावजूद भी वह अन्य राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में असफल भी हो सकता है ।फिर विभिन्न पार्टियां जानते हुए भी इन एग्जिट पोलों को महत्व क्यों देतीं हैं ?क्योंकि इन पोल के माध्यम से मनोवैज्ञानिक वातावरण बनाने में वे पोल के परिणामों का उपयोग करती हैं ।जिससे अधिकारियों पर भी दबाव बनता है और प्रतिपक्षियों के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सामान्यत:जो सीटें 500 से 1000 मतों के बीच में फंसी हुई होती हैं उन्हें सत्ताधारी पार्टी दबाव बनाकर अपने अनुकूल परिणाम लाने में सफलता हासिल कर सकती है ।यह संभावना ही इन सर्वेक्षणों को महत्व मिलने का मूल आधार है। 2018 के चुनाव में इस तरह फंसी हुई लगभग 20 सीटें ही सरकार का संख्याबल घटाने-बढ़ाने में सहायक हुईं थीं, अन्यथा 2018 में ही बहुमत की सरकार अपेक्षित थी।ऐसे सर्वेक्षणों में सेम्पल साईज,सेम्पल की ज्योग्राफिक लोकेशन,और ईमानदार विश्लेषण ही इसकी विश्वसनीयता की कसौटी होती है।उदाहरण के लिये एक हजार सेम्पल अगर एक ही लोकेशन से संग्रहीत कर लिये जायें जबकि क्षेत्र में 300 बूथ है तब भी सेम्पल साईज तो एक हजार ही कहलायेगी किंतु वह समग्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करेगी।इसलिये सेम्पल यूनीवर्स का चयन ही सर्वेक्षित क्षेत्र की विविधताओं का प्रतिनिधित्व कर सकता है।इसी तरह केवल एक मुद्दे को आधार बनाकर उसका प्रभाव जांचा जाये तब भी परिणाम संधिग्ध ही होंगे।ताजा सर्वेक्षण लाड़ली बहना सापेक्ष प्रतीत होते हैं और वे तिरस्कृत बहनाओं,मंहगाई, बेरोजगारी, किसान समस्याओं, आदिवासी अस्मिता ,ओपीएस तथा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा करते दिखाई देते हैं।भारत में जबसे आनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाकर पीछे के रास्ते सट्टा या खापबाजी को नियमित करने की कोशिश हुई है, तबसे ऐसे सर्वेक्षणों को सट्टेबाजी में सहायक भूमिका निभाने का अवसर भी मिला इससे इनकार नहीं किया जा सकता।अब तो सभी मीडिया (प्रिंट अथवा इलेक्ट्रानिक) फलौदी सट्टा बाजार के अनुमानों को महत्व देकर प्रसारित करते या छापते हैं।यह वृत्ति सट्टे को सामाजिक मान्यता दिलाने की चेष्टा है।जबकि सट्टा एक अपराध है।छोटी-छोटी पर्ची काटकर सट्टा खिलाने वाले तो देश में अपराधी कहलाते हैं जबकि ऐसी सूचनाओं या सर्वेक्षणों को हम सम्भावनाओं का विश्लेषण मानकर उपेक्षा करते हैं।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सटोरिये इन सूचनाओं का उपयोग करते हैं और दांव लगाने वाले अधिकाश लोग लुटते हैं। जबकि सभी जानते हैं कि जुआ ही महाभारत का कारण था और आज संभावनाओं के आधार पर प्रत्याशी का गलत चयन गरीबी और मंहगाई के दुष्चक्र का ! जहां तक एग्जिट पोल का सवाल है पुराने कई अनुभव और नतीजे देखे गये हैं जिसमें यह पूरी तरह से फ्लॉप हुए हैं।

भारत ने आखिरी टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 6 रन से हराया, 4-1 से श्रृंखला की अपने नाम

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम ने विश्वकप (वनडे) के फाइनल में मिली हार को पीछे छोड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया को पांच टी20 मैच की श्रृंखला में 4-1 से मात दी है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को खेले गए पांचवे और आखिरी मुकाबले में 6 रन से जीत दर्ज की है। आखिरी ओवर में कंगारू टीम को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी लेकिन वो सिर्फ 3 रन ही बना सके। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 161 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए मेहमान टीम निर्धारित

20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेन मैकडर्मेट ने सर्वाधिक 54 रन की पारी खेली। इनके अलावा ट्रेविस हेड ने 28, मैथ्यू वेड ने 22, टिम डेविड ने 17 और मेथ्यू शॉर्ट ने 16 रन का योगदान दिया। वहीं भारत के लिए मुकेश कुमार ने तीन विकेट, अर्शदीप सिंह और रवि विश्नोई ने दो-दो विकेट झटके जबकि अक्षर पटेल किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 14 रन खर्चते हुए एक सफलता हासिल की।

अगर कोई क्रिकेटर कमिंस से प्रेरणा नहीं लेता तो वह गलत खेल में है : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के महानतम कप्तानों में से एक इयान चैपल ने कहा कि अगर पैट कमिंस की प्रेरणादायी कप्तानी, शानदार कौशल और मैदान के अंदर और बाहर का आचरण उनके साथी खिलाड़ियों को प्रेरित नहीं करता तो वे गलत खेल में हैं। कमिंस ने छह महीने के दौरान एशेज खिताब बरकरार रखा, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती और भारत में वनडे विश्व कप जीता है। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'कोई भी क्रिकेटर अगर कमिंस से प्रेरणा नहीं ले पाता है तो वह गलत खेल में है।' उन्होंने लिखा, 'कमिंस हमेशा ही अच्छे कप्तान बनते। कुछ देर के लिए अगर उनके तेज गेंदबाज के तौर पर कप्तान के कारण होने वाली मुश्किलों को नजरअंदाज कर दिया जाए तो वह आस्ट्रेलियाई टीम में सबसे ज्यादा प्रेरणादायी खिलाड़ी है जिसे क्रिकेट की समझ है।'

वहीं अगर उनके साथ क्रिकेट खेलने वाले कुछ बड़े नाम की बात की जाये तो वे आक्रामकता का मुखौटा पहने होते हैं, बेकार की छींटाकशी करते हैं लेकिन यहीं कमिंस अपने प्रदर्शन से उन पर बाजी मार लेते हैं। चैपल ने लिखा, 'कमिंस और उनकी टीम को खेलते हुए देखना अच्छा लगता है। कमिंस की टीम के अति आक्रामक होने की बात की जाती है लेकिन इसमें नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखता। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें मार्क वॉ और अनिल कुंबले की श्रेणी में रखूंगा जो काफी प्रतिस्पर्धी थे। विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में शुमार चैपल ने कहा, 'बड़बोलापन आपको चुनौतीपूर्ण खिलाड़ी नहीं बनाता बल्कि यह इसके विपरीत होता है। उन्होंने कहा, 'बल्कि कमिंस एक शानदार तेज गेंदबाज हैं और अकसर उनकी इसलिए प्रशंसा की जाती है क्योंकि वह जरूरत पड़ने पर विकेट दिलाता है।

लीग वन मैच के दौरान हिंसा से जुड़े मामले में नैनटेस समर्थक की मौत

नैनटेस (फ्रांस)। फ्रांस में घरेलू फुटबॉल के मौजूदा सत्र में हिंसा की नवीनतम घटना में नीस पर 1-0 से जीत से पहले हुई हिंसा में नैनटेस के एक समर्थक की शनिवार को मौत हो गई। लीग वन (देश की शीर्ष फुटबॉल लीग) की टीम नैनटेस ने रात में एक बयान में कहा कि क्लब स्टेडियम के करीब यह प्रशंसक हमले में 'गंभीर रूप से घायल' हो गया था। क्लब ने कहा, 'हिंसा का यह मामला न्यायिक जांच का विषय है। इस 31 साल के प्रशंसक की पीठ में गंभीर चोट लगी थी। आपातकालीन सेवाओं की मदद के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।' नैनटेस ने कहा कि सरकारी अभियोजक के कार्यालय ने हत्या की जांच शुरू कर दी है। नैनटेस ने हालांकि नीस के खिलाफ इस मैच को 1-0 से जीता। मौजूदा सत्र में 14 मैचों में नीस की पहली हार है। फ्रांस की खेल मंत्री अमेली औडेया-कैस्टेरा ने 'एक्स' पर इसे 'बहुत दुखद' करार देते हुए लिखा, 'मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, उनके परिजनों और स्टेडियम में मौजूद उनके दोस्तों के साथ हैं।' फ्रांस में पिछले दो सत्र के दौरान स्टेडियम में हिंसा की घटनाएं बढ़ीं है। इस से पहले अक्टूबर में मोंटपेलियर में प्रशंसक ने मैदान में पटाखा फेंक दिया जिसके कारण मैच को बीच में रोकना पड़ा। यह पटाखा क्लेरमोंट के गोलकीपर मोरी डियाव के करीब फूटा जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर की मदद से बाहर ले जाया गया।

होप ने इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन अंदाज में लक्ष्य का पीछा करने का श्रेय एमएस धोनी से मिली प्रेरणा को दिया

एंटीगुआ। शाई होप ने रविवार को एंटीगुआ में सैम करन की चार गेंदों में तीन छक्के लगाकर इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज को रोमांचक जीत दिलाई। होप ने बेहतरीन और आक्रामक अंदाज में लक्ष्य का पीछा पूरा करने का श्रेय पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को देते हुए हुए कहा कि भारतीय दिग्गज से मिली प्रेरणा से वह ऐसा कर सके। होप ने केवल 83 गेंदों में नाबाद 109 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को सात गेंदे शेष रहते जीत दिला दी। इस दौरान उन्होंने आखिरी में छक्को की झड़ी लगा दी। उन्होंने 7 छक्के लगाए। यह उनका 16वां वनडे शतक और उनके करियर का सबसे तेज शतक था।

दिलचस्प बात यह है कि मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान, वेस्टइंडीज के कप्तान ने एक गेम-चेंजिंग चैट का खुलासा किया जो उन्होंने कुछ समय पहले भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ की थी, जिसमें धोनी ने उन्हें एक खिलाड़ी को रन चेज् के लिए किस मानसिकता के साथ खेलना चाहिए, इसके बारे में बताया था। होप ने कहा, कुछ समय पहले मेरी एमएस धोनी से बात हुई थी और उन्होंने मुझसे कहा था कि आप हमेशा क्रीज पर जितना सोचते हो

उससे कहीं ज्यादा समय बिताते हो और यह बात मेरे दिमाग में बैठ गई। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के इन-हाउस चैनलों से बात करते हुए, होप ने कहा, मैदान के आयाम और फिर वहां तेज हवा को देखते हुए मैंने सोचा कि सबसे अच्छी बात उस विशेष ओवर को लक्षित करना था। हम जानते थे कि दूसरे छोर से स्कोर करना एक चुनौती थी, खासकर हवा के विपरीत... चाहे कुछ भी हुआ हो, मैं कोशिश करने जा रहा था कि आखिरी ओवर तक खेलकर हमें मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका मिले।

उन्होंने कहा, 48वें ओवर के बाद, मुझे पता था कि खेल काफी हद तक संतुलन में है। अगर हमारे पास खेल खत्म करने के लिए दो ओवर है, तो मैं हमेशा एक ओवर शेष रहते हुए खेल खत्म करने की कोशिश करता हूं। मैं इसे किसी और पर नहीं छोड़ना चाहता था। होप ने इस साल की शुरुआत में वेस्टइंडीज के पूर्णकालिक एकदिवसीय कप्तान के रूप में पदभार संभाला था। अपने करियर की शुरुआत में काफी समय बिताने के बाद वह नंबर 4 पर आ गए हैं और उनके समग्र रिकॉर्ड की तुलना में उनके औसत और स्ट्राइक रेट दोनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वह एकदिवसीय मैचों में 5000 रन तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के 11वें बल्लेबाज भी बने, जो इस प्रारूप में उनकी 114वीं पारी थी। होप बाबर आजम (97) और हाशिम अमला (101) के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले विव रिचर्ड्स और विराट कोहली के साथ संयुक्त तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं।

आईसीसी ने ऑस्ट्रेलिया में विशेष लाइव प्रसारण के लिए किया प्राइम वीडियो के साथ करार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी इवेंट के विशेष लाइव प्रसारण के लिए प्राइम वीडियो के साथ चार साल का करार किया है, जो प्राइम वीडियो ऑस्ट्रेलिया पर उपलब्ध होगा। साझेदारी के तहत प्राइम वीडियो ऑस्ट्रेलिया विशेष रूप से पुरुषों और महिलाओं के सभी क्रिकेट कार्यक्रमों को स्ट्रीम करेगा, जिसमें पुरुष और महिला क्रिकेट विश्व कप, टी20 विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, अंडर-19 विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल है। इस करार के तहत 2024 से 2027 तक ऑस्ट्रेलिया में 448 लाइव गेम्स के स्ट्रीमिंग अधिकार शामिल हैं। यह सौदा आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 की सफलता के बाद हुआ है, जिसने कई रिकॉर्ड तोड़े और ऑस्ट्रेलिया ने खिताब जीता। अब तक के सबसे बड़े क्रिकेट विश्व

कप ने स्टेडियम में उपस्थिति और प्रसारण दर्शकों की संख्या के नए रिकॉर्ड स्थापित किए, साथ ही यह अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल रूप से जुड़ा कार्यक्रम बन गया। नई साझेदारी, जो जनवरी 2024 में शुरू होगी, ऑस्ट्रेलिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों को सभी क्रिकेट प्रारूपों में विशिष्ट आईसीसी प्रतियोगिता के प्रत्येक टूर्नामेंट के सभी मैचों तक बिना प्राइम सदस्यता के विशेष पहुंच प्रदान करेगी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'हम ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी क्रिकेट अधिकारों के लिए प्राइम वीडियो के साथ एक नई चार साल की साझेदारी में प्रवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

हाल ही में संपन्न पुरुष क्रिकेट विश्व कप ने दुनिया भर में और विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी आयोजनों के प्रति रुचि और जुनून को उजागर किया है, जहां क्रिकेट प्रशंसकों ने अपनी पुरुष और महिला टीमों की हालिया सफलता का आनंद लिया है। हम ऑस्ट्रेलिया में अधिक प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्रिकेट का एक अभिनव कवरेज प्रदान करने के लिए प्राइम वीडियो ऑस्ट्रेलिया के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।'

सोनू एक बार फिर चमके, बेंगलुरु बुल्स को हराकर गुजरात जायंट्स ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

अहमदाबाद। गुजरात जायंट्स ने इकेए एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया में बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज की। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों ने बढ़त बनाए रखने के लिए संघर्ष किया लेकिन जायंट्स आखिरी कुछ मिनटों में निर्णायक बढ़त हासिल करने में कामयाब हुए और मैच 34-31 से जीत लिया। मैच में 12 अंकों के साथ सोनू जगलान एक बार फिर जायंट्स के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरे। सोनू ने लगातार दूसरी बार 10 से अधिक अंक जुटाए हैं। मैच के शुरुआती मिनट में नीरज नरवाल ने शानदार रेड मारी और इस तरह बुल्स ने 3-0 से बढ़त बना ली। कुछ क्षण बाद, भरत ने अपने साथी की तरह एक और सफल रेड की और जायंट्स को मैट पर केवल दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया। हालांकि, ईरानी खिलाड़ी मोहम्मद नबीबख्श ने 5वें मिनट में

एक सुपर टैकल निकाला और जायंट्स को मैच में बने रहने में मदद की। इसके तुरंत बाद सोनू ने दो रेड प्वाइंट हासिल किए और जायंट्स ने आल आउट के खतरे को टालते हुए स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। इसके बाद भी जायंट्स और बुल्स के बीच कड़ी टक्कर जारी रही। 11वें मिनट तक स्कोर 9-9 से बराबर था। लेकिन, विकास कंडोला ने शानदार रेड मारकर जायंट्स को मैट पर सिर्फ एक सदस्य तक सीमित कर दिया। कुछ ही क्षण बाद, बुल्स ने परतीक दहिया को टैकल किया और 14-11 पर अच्छी बढ़त लेने के लिए जायंट्स को ऑल आउट कर दिया। बुल्स की डिफेंस इकाई ने चमक जारी रखी और पहले हाफ के अंत तक अपनी टीम को 20-14 की बड़ी बढ़त लेने में मदद की। दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में सोनू ने सुपर रेड मारकर और दोनों टीमों के बीच के अंतर को कम कर दिया। कुछ ही क्षण बाद, जायंट्स ने भरत को टैकल किया और बुल्स के स्कोर के करीब पहुंच गए। हालांकि, विशाल ने नबीबख्श को टैकल किया और 25वें मिनट में बुल्स को अपनी बढ़त को मजबूत करने में मदद की।

पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2023: भारत की नजर कोरिया के खिलाफ विजयी शुरुआत पर

कुआलालंपुर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 में पूल सी के अपने पहले मैच में कुआलालंपुर के बुकिट जलील में नेशनल हॉकी स्टेडियम में कोरिया से भिड़ेंगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम इस खेल में काफी आत्मविश्वास के साथ उतर रही है क्योंकि कोरिया के खिलाफ उनका रिकॉर्ड बेहतर है। दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मैचों में से भारत ने तीन और कोरिया ने दो जीते हैं, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थीं, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक

आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के पहले मैच को लेकर भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, आखिरकार विश्व कप के लिए इंतजार खत्म हो गया है, और हम अच्छी शुरुआत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। हमने हाल ही में कोरिया के खिलाफ खेला है, इसलिए हम चुनौती जानते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने और अच्छी हॉकी खेलने पर होगा।

इस बीच, कोच सीआर कुमार ने कहा, खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है, और टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। कोरिया एक गुणवत्ता टीम है, आप उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हमें हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना होगा, यह एक बड़ा मंच है, इसलिए टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत पाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा और अपनी ताकत का समर्थन करना होगा। दो बार का जूनियर विश्व चैंपियन भारत अपने पूल सी मैचों में क्रमशः 7 दिसंबर को स्पेन और 9 दिसंबर को कनाडा से भिड़ेगा। पूल चरण में शीर्ष दो में रहने से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर क्रिस ग्रीन ने अपनी गर्लफ्रेंड से की शादी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर क्रिस ग्रीन ने अपनी गर्लफ्रेंड बेला वाग्शाल से शादी कर ली है। इस बात की जानकारी सोशल मीडिया से जरिए सामने आई है, जहां वाग्शाल ने फोटो पोस्ट कर इस खुशी को फैंस के साथ साझा किया है। वाग्शाल ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर एक फोटो अपलोड करते हुए लिखा, हमारे जीवन का सबसे खुशी का दिन 24.11.23। दोनों की शादी पिछले महीने हुई थी लेकिन वाग्शाल ने आज इस बात की जानकारी को लोगों के साथ शेयर किया है। गौर हो कि ने भारत के खिलाफ पिछले टी20 मैच से ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए डेब्यू किया था और मात्र 2 रन बनाए। ग्रीन ऑफ-स्पिनर और एक उपयोगी मध्य-क्रम-बल्लेबाज है। ये कौशल उन्हें टी-20 प्रारूप में एक परिसंपत्ति बनाते हैं। उन्होंने 2014/15 मैटाडोर बीबीक्यू वन-डे कप के दौरान न्यू साउथ वेल्स के लिए पदार्पण किया जब नाथन लायन और स्टीफन 'ओ' कीफे दोनों अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर थे। क

आईपीएल 2024 का हिस्सा नहीं होंगे इंग्लिश तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर

नई दिल्ली। इंग्लिश तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 संस्करण में नहीं खेलेंगे, क्योंकि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अगले साल के टी20 विश्व कप की तैयारी में उनके कार्यभार पर नियंत्रण रखना चाहता है।

आर्चर ने मई 2023 के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट नहीं खेला है, उस दौरान उन्हें आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते समय कोहनी के स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुनरावृत्ति का सामना करना पड़ा था। उन्होंने विश्व कप के दौरान कुछ समय के लिए रिजर्व के रूप में भारत की यात्रा की थी, लेकिन मुंबई में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कोहनी में अधिक दर्द का अनुभव हुआ और एक सप्ताह से भी कम समय बाद वह स्वदेश लौट गए।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार आर्चर ने 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं कराया है। उन्होंने हाल ही में अक्टूबर 2023 से सितंबर 2025 तक चलने वाले दो साल के इंग्लैंड केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और ईसीबी ने आर्चर को नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं कराने के लिए कहा था। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि इंग्लैंड को फ्रेंचाइजी लीगों के खिलाफ पीछे हटने के बजाय उनके साथ काम करना चाहिए। लेकिन ईसीबी का मानना है कि आर्चर की वापसी का प्रबंधन करना आसान होगा यदि वह अप्रैल और मई में उसकी देखरेख में यूके में रहें, बजाय इसके कि वह भारत में आईपीएल खेलें।

आईपीएल 2022 से पहले आर्चर को शुरुआत में मुंबई इंडियंस ने 8 करोड़ रुपयेमें खरीदा था, जबकि फ्रेंचाइजी को पता था कि पीठ की चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर हो जाएंगे। लेकिन पिछले हफ्ते उन्हें उनके अनुबंध से मुक्त कर दिया गया। उन्हें 2024 की शुरुआत में एसए20 के दूसरे सीज़न के लिए मुंबई इंडियंस की सहयोगी फ्रेंचाइजी एमआई केप टाउन द्वारा 'वाइल्डकार्ड' खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा गया है, लेकिन उस टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी इस बात पर निर्भर करेगी कि उनका पुनर्वास कैसे आगे बढ़ता है। उन्हें अगले हफ्ते बारबाडोस में इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीम के साथ ट्रेनिंग करनी है, लेकिन वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे या टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे।

अश्विनी-तनीषा संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारी, जापान की इवांगा व नाकानिशी बनीं महिला डबल्स चैंपियन

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी सोमवार की रात कोलकाता स्थित अपने घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगा। कई कोचों ने इस आईएसएल सीजन में घरेलू और अवे (घर से दूर) मुकाबलों में मिलने सफलता के बीच अंतर को पाटने पर जोर दिया है। हालांकि, हाईलैंडर्स इस समय खुद को एक अनिश्चित स्थिति के बीच में फंसा हुआ पा रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले 20 अवे मैचों (5 ड्रा, 15 हार) में एक भी जीत हासिल नहीं की है, जो आईएसएल इतिहास में किसी भी टीम का जीत से दूर रहना का सबसे लंबा सिलसिला है। इस सीजन में जब वे वापसी करने के लिए कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं, जुआन पेड्रो बेनाली और उनके हाईलैंडर्स, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के खिलाफ इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। वे बेंगलुरू एफसी को घरेलू मैदान पर 1-1 से बराबरी पर रोकने के बाद इस

मुकाबले में उतरने जा रहे हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी पिछले सीजन में 20 मैचों में से केवल एक जीत दर्ज करने वाली टीम थी और अब वो अपने मौजूदा अभियान में सात मैच खेलकर खुद को शीर्ष छह स्थानों में पाकर प्रसन्न होगी। नए बदलाव अच्छी तरह से सामने आ रहे हैं, और बेनाली प्रत्येक मैच में आगे बढ़ने के साथ तालिका के शीर्ष के करीब पहुंच रहे हैं। वे ईस्ट बंगाल एफसी का सामना करना चाहेंगे, जिसने सीजन की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दो महीने से अधिक समय हो गया है जब उन्होंने लीग में अपनी पिछली जीत दर्ज की थी और वो 30 सितम्बर को हैदराबाद एफसी के खिलाफ 2-1 से आई थी। उनका आखिरी मैच चेन्नइयन एफसी के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर छूटा था। पिछले कुछ मैचों में वे अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने से चूक रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें इस सीजन में संभावित 18 अंकों में से 13 गंवाने पड़े हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने इस मैच में अपने स्टार मिडफील्डर मोहम्मद अली बेमामर की अनुपस्थिति पर कहा, हमारे पास 26 खिलाड़ी हैं, हमें समाधान ढूंढना होगा। हर कोई खेलने के लिए आतुर है और मुझे लगता है कि मोहम्मद अली बेमामर की जगह जो भी खेलेगा वह अपना काम अच्छे से करेगा।

आईएसएल- ईस्ट बंगाल को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ जीत की तलाश

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी सोमवार की रात कोलकाता स्थित अपने घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगा। कई कोचों ने इस आईएसएल सीजन में घरेलू और अवे (घर से दूर) मुकाबलों में मिलने सफलता के बीच अंतर को पाटने पर जोर दिया है। हालांकि, हाईलैंडर्स इस समय खुद को एक अनिश्चित स्थिति के बीच में फंसा हुआ पा रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले 20 अवे मैचों (5 ड्रा, 15 हार) में एक भी जीत हासिल नहीं की है, जो आईएसएल इतिहास में किसी भी टीम का जीत से दूर रहना का सबसे लंबा सिलसिला है। इस सीजन में जब वे वापसी करने के लिए कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं, जुआन पेड्रो बेनाली और उनके हाईलैंडर्स, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के खिलाफ इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। वे बेंगलुरू एफसी को घरेलू मैदान पर 1-1 से बराबरी पर रोकने के बाद इस मुकाबले में उतरने जा रहे हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी पिछले सीजन में 20 मैचों में से केवल एक जीत दर्ज करने वाली टीम थी और अब वो अपने मौजूदा अभियान में सात मैच खेलकर खुद को शीर्ष छह स्थानों में पाकर प्रसन्न होगी। नए बदलाव अच्छी तरह से सामने आ रहे हैं, और बेनाली प्रत्येक मैच में आगे बढ़ने के साथ तालिका के शीर्ष के करीब पहुंच रहे हैं। वे ईस्ट बंगाल एफसी का सामना करना चाहेंगे, जिसने सीजन की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दो महीने से अधिक समय हो गया है जब उन्होंने लीग में अपनी पिछली जीत दर्ज की थी और वो 30 सितम्बर को हैदराबाद एफसी के खिलाफ 2-1 से आई थी। उनका आखिरी मैच चेन्नइयन एफसी के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर छूटा था। पिछले कुछ मैचों में वे अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने से चूक रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें इस सीजन में संभावित 18 अंकों में से 13 गंवाने पड़े हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने इस मैच में अपने स्टार मिडफील्डर मोहम्मद अली बेमामर की अनुपस्थिति पर कहा, ÷हमारे पास 26 खिलाड़ी हैं, हमें समाधान ढूंढना होगा। हर कोई खेलने के लिए आतुर है और मुझे लगता है कि मोहम्मद अली बेमामर की जगह जो भी खेलेगा वह अपना काम अच्छे से करेगा। 34 वर्षीय मोरोक्कन डिफेंसिव मिडफील्डर मध्य मैदान में ईस्ट बंगाल एफसी के हमलों को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता था, उसने इस सीजन में अब तक मध्य मैदान और अपने रक्षात्मक हाफ में 62 बार गेंद जीती है। ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच कार्ल्स कुआड्राट ने अपनी टीम के लिए इस मैच के महत्व पर बात करते हुए कहा, 'हमें घरेलू मैदान पर अंक हासिल करने के लिए अगले दो मैचों का फायदा उठाना होगा। एक सप्ताह में, हमारे पास छह और अंकों के साथ अगले रविवार को यहां आने का अवसर होगा। इससे बहुत फर्क पड़ता है। ' दोनों टीमों के बीच अब तक 6 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से ईस्ट बंगाल एफसी ने 1 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने 3 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 2 मैच ड्रा रहे हैं।

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही है तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में

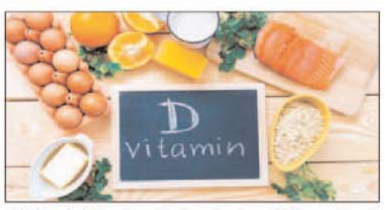

पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर

कलेक्टर ने दो धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

खरीदी केन्द्रों में उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें – कलेक्टर प्रतिभा पाल

पुष्पांजली टुडे

रीवा जिले भर में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन एक दिसम्बर से आरंभ हो गया है। सहकारी समितियों द्वारा गोदाम स्तर पर बनाए गए खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से धान का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने गुढ़ तहसील में दो खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने तहसील कार्यालय के समीप खरीदी केन्द्र गुढ तथा भैरवबाबा खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया।मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि खरीदी केन्द्रों में उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को धान उपार्जन में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने भण्डारित कराएं। तौल कांटों का

मापतौल विभाग से सत्यापन कराएं। खरीदी केन्द्रों में उपार्जित धान के सुरक्षित भण्डारण तथा पानी से बचाव की व्यवस्था अवश्य करें। उपार्जित धान की मिलिंग के लिए मिलर्स से अनुबंध कर दिए गए हैं। खरीदी केन्द्र से अनुबंधित मिलर्स धान का उठाव करेंगे। एसडीएम उपार्जन से जुड़े अधिकारियों तथा मिलर्स के साथ बैठक करके उपार्जित धान का नियमित उठाव सुनिश्चित करें। राजस्व खाद्य तथा सहकारिता विभाग के अधिकारी खरीदी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें। उपार्जन में किसी भी तरह की अनियमितता पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। केवल पंजीकृत किसानों से ही अच्छी गुणवत्ता की धान की खरीद करें। किसानों को उपार्जित धान का समय पर भुगतान कराएं। निरीक्षण के समय अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिकरवार, एसडीएम गु? संजय जैन, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम पंकज बोरसे तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं समिति प्रबंधक उपस्थित रहे।

रीवा जिले में 8 में से 7 सीटों पर बीजेपी जीती,जीत के बाद क्या बोले गिरीश गौतम व राजेंद्र शुक्ल

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले की 8 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में शुरू से ही भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर थी वहीं कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला भी बताया जा रहा था परंतु मतगणना में स्थित स्पष्ट हो गई और बीजेपी ने 7 विधानसभा सीटों में अप्रत्याशित जीत दर्ज की हालांकि एक सीट सेमरिया में कांग्रेस के अभय मिश्रा ने जीत हासिल की थी परंतु अंतिम में भाजपा प्रत्याशी ने यहां भी आपत्ति दर्ज करा दी, जिसके बाद अब फिर से रिकाउंटिंग शुरू की गई वहीं बड़े अंतर से जीत हसिल करने वाले देवतालाब से बीजेपी प्रत्याशी व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पर पहुंचकर जीत का प्रमाण पत्र लिया।

कांग्रेस नेताओं पर निशाना – मीडिया से बात करते हुए गिरिश गौतम ने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के नेताओं पर जमकर निशाना साधा गिरीश गौतम ने कहा कि मध्यप्रदेश में जिस तरह से बीजेपी की जीत हुई है, यह जनता जनार्दन का आशीर्वाद है और यह उन लोगो के गाल पर तमाचा है जो अहंकारी होकर घमंडी भाव से यह कहते थे कि प्रदेश में परिवर्तन की लहर है। जो धमकियां दिया करते थे कि अधिकारियो को 7 तारीख के बाद 4 तारीख और 3 तारीख आएगी कमलनाथ यही तो बोलते थे यह उनके लिए तमाचा है।

सनातन धर्म पर गलत बयानी –गिरीश गौतम ने कहा कि बीजेपी की ये जीत कांग्रेस की उस विचारधारा को तमाचा है जिसने सनातन धर्म को डेंगू कोरोना कहने वालों के साथ दिया उनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर एक लफ्ज भी उनके खिलाफ नहीं निकाला उनके खिलाफ यह तमाचा है। उनके राष्टीय अध्यक्ष के बेटे ने सनातन धर्म को एड्स कहा था सनातन धर्म की तुलना एड्स से करने वालों की ये हार है और जनता ने इस बार खासा और ऐसा तमाचा मारा है कि ये चारों खाने चित्त हो गए और कमलनाथ के साथ बंटाधार दिग्विजय सिह थे यह तो सब जानते ही हैं।

राजेंद्र शुक्ल ने क्या कहा – बातचीत के दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जनता द्वारा दी गई ताकत का सदुपयोग करते हुए मध्य प्रदेश की तस्वीर को बदला है बीमारू राज्य का कलंक जो कांग्रेस की सरकार ने लगाया गया था उसको मिटाया है मध्य प्रदेश को देश के अंदर सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्य के रूप में स्थापित किया है हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास भारतीय जनता पार्टी सरकार ने मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में किया है. 18 साल सत्ता में रहने के बाद इतना बड़ा जनादेश, यह सुशासन की लहर है।

उपार्जन केन्द्रों में अवैध रूप से लाये जाने वाले अनाज की निगरानी के लिए चेकपोस्ट स्थापित उड़नदस्ता दल नियुक्त

पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के विभिन्न केन्द्रों में 19 जनवरी 2024 तक समर्थन मूल्य पर उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। सीमावर्ती राज्य उत्तरप्रदेश की सीमा से लगे हुए उपार्जन केन्द्रों में अवैध रूप से विक्रय के लिए आये जाने वाले धान, बाजरा एवं ज्वार की निगरानी के लिए उपार्जन अवधि तक अस्थायी रूप से चेकपोस्ट स्थापित किये गये हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अनुविभागीय अधिकारी त्योंथर एवं जवा को निर्देशित किया है कि चेकपोस्ट में वाहनों की सघन जांच करायें तथा जांच के दौरान जिले के बाहर से अवैध रूप से आने वाले अनाज का परिवहन पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें।उल्लेखनीय है कि त्योंथर तहसील में वन विभाग जांच नाका चाकघाट, पटहट चौकी के पास, नारी-बारी से मांगी मार्ग में भंडाफो? तिराहे के पास, पथरपुरा तिराहा मूरी, चिराव तिराहा, एमपी-यूपी बॉर्डर मांगी तथा ककरहा में एवं जवा तहसील अन्तर्गत रामबाग से बरग? मार्ग में देवी तिराहा घूमन रोड, घूमन से डभौरा मार्ग में चुनगी गांव तिराहा में अस्थायी चेकपोस्ट स्थापित किया गया है। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में मोटे अनाज के उपार्जन में पर्याप्त नियंत्रण रखने व अवैध परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से उ?नदस्ता दल भी नियुक्त किया है। दल में नियुक्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नियमित रूप से उपार्जन केन्द्र की समय-समय पर जांच कर वस्तु स्थिति से नोडल अधिकारी उपार्जन शैलेन्द्र सिंह अपर कलेक्टर को अवगत करेंगे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत 6 एवं 7 दिसम्बर को चलेगा विशेष अभियान

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अन्तर्गत पात्र महिला हितग्राहियों को प्रथम प्रसव पर दो किश्तो में (प्रथम किश्त 3000 रूपये एवं द्वितीय किश्त 2000 रूपये) एवं द्वितीय प्रसव बालिका जन्म होने पर एकमुश्त 6,000 हजार रूपये सीधे हितग्राही के खाते में डीबीटी के माध्यम से आधार लिंक बैंक खाते प्रदान किया जाता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि जिले में योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के चिन्हांकन, पंजियन एवं आवेदन पत्र एकत्रित करने हेतु 06 एवं 07 दिसम्बर को समस्त आंगनवाडी केन्द्रों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान में जिले के सभी आंगनवाडी केन्द्रों की आंगनवाडी कार्यकर्ता, सेक्टर सुपरवाइजर एवं परियोजना अधिकारी डोर-टू-डोर जाकर पात्र हितग्राहियों के चिन्हांकन करेगी एवं योजना के प्रावधानों के बारे में लोगों का जागरूक करेंगे। अभियान अंतर्गत चिन्हित किए गए पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पार्टल पर पंजीकृत किए जाएंगे एवं योजना के प्रावधान अनुसार भारत सरकार द्वारा हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से राशि सीधे हस्तांतरित की जायेगी।

कमिश्नर 7 दिसम्बर को करेंगे कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर रीवा संभाग अनिल सुचारी 7 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे से कृषि तथा उससे जडें वभागों की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की गई है। कमिश्नर समीक्षा बैठक में सहकारिता, विपणन संघ, मण्डी बोर्ड, कृषि यांत्रिकी, नागरिक आपूर्ति निगम, बीज निगम के कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर 15 दिसम्बर को करेंगी राजस्व कार्यों की समीक्षा

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 15 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगी। कलेक्टर द्वारा राजस्व कार्यों, धान उपार्जन तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

कमिश्नर 7 दिसम्बर को विभिन्न विभागों की करेंगे समीक्षा

पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी 7 दिसम्बर को खनिज विभाग, आबकारी विभाग तथा परिवहन विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई है। कमिश्नर प्रातः 11 बजे से 11.30 बजे तक खनिज विभाग, प्रातः 11.30 से दोपहर 12 बजे तक आबकारी विभाग तथा दोपहर 12 बजे से दोहपर 12.30 बजे तक परिवहन विभाग की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सिविल अस्पताल में नेत्र परीक्षण का हुआ आयोजन

पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

मऊगंज--- सिबिल हास्पिटल मऊगंज में पांच दिसम्बर को नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी मऊगंज के मार्गदर्शन में 42 मरीजों की आंखों की जांच की गई जिसमें 12 मरीजों को जिला चिकित्सालय रीवा मोतियाबिंद आपरेशन हेतु शासकीय वाहन से भेजा गया । नेत्र परीक्षण में प्रमुख रूप से मेडिकल आफिसर डॉ पंकज पांडेय, डॉ रुबी श्रीवास्तव, नेत्र सहायक श्री रमेश मिश्रा, मलेरिया निरीक्षक बृजेन्द्र तिवारी,एन एम ए श्री नरेन्द्र मिश्रा, नर्सिंग आफिसर श्रीमती संगीता सक्सेना,लैव टेक्नीशियन श्री सुनील मिश्रा,काउन्सलर अनुरुद्ध सिंह, फूलचंद मिश्रा, धर्मप्रकाश श्रीवास्तव, सी एच ओ पृया शुक्ला, रेशमा शर्मा आदि उपस्थित रहे

एच एस आर पी की नंबर प्लेट है अनिवार्य अन्यथा 15 दिसंबर के बाद होगी चालानी कार्यवाही

पुष्पांजलि टुडे
पुष्पेंद्र सिंह सेंगर
जिला ब्यूरो चीफ मऊगंज

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रस्तुत रिट याचिका क्रमांक 7436/2021 ऐश्वर्या सांडिल्य विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 11.7.2023 के अनुपालन में दिनांक 1/4/2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाना अनिवार्य होगा।मध्य प्रदेश के समस्त वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाए जाने की कार्यवाही 6 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण की जाएगी। वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने की प्रक्रिया भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिकृत एजेंसियां/डीलर/ ओईएम द्वारा की जा रही है, इन सभी संबंधित एजेंसियों को दिनांक 01/04/2019 के पूर्व विक्रित वाहनों में भी एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जाने हेतु अधिकृत किया गया है।

विधानसभा क्षेत्र 35-सक्ती के अंतिम 17वे चक्र के उपरांत मतगणना के परिणाम

सक्ती।रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 35 सक्ती श्री पंकज डाहिरे से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 35-सक्ती से श्री चरण दास महंत को 81,519 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः डॉ. खिलावन साहू को 69,124, श्री भैया जितेंद्र चौहान को 3,464, श्री अनुभव तिवारी (अन्नू भैया) को 2752, श्री राजकुमार पटेल को 672, श्री धरम लाल कंवर को 616, श्री मोतीराम साहू को 491, श्री राजेंद्र साहू को 374, श्री घनश्याम सिंह सिदार को 289, श्री भीम कुमार पटेल को 270, श्रीमती कमला बरेठ को 234, श्री खिलावन साहू को 212, श्री जुगल किशोर भारती को 189, श्री फागुलाल जयसवाल को 103 मत प्राप्त हुए।

बिंदाबनी पंचायत में आपकी योजना सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पोहचे जिले के उपायुक्त द्वारा सरकार के जनकल्याणकरी की दी विस्तार से जानकारी

रानीश्वर दुमका। शनीवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का संचालन पूरे जिले में किया जा रहा है। उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने रानीश्वर प्रखंड के वृंदावनी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में शिविर का निरीक्षण किया गया।अभियान के तहत अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, वनाधिकार पट्टा, साईकिल वितरण, आय, जन्म, मृत्यु, जाति, आवासीय प्रमाण आदि के अलावा दिव्यांगता प्रमाण पत्र, भूमि से संबंधित मामलों का निपटारा, आयुष्मान कार्ड, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, किसान क्रिडेट कार्ड एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल लगाए जा रहे है। रानीश्वर प्रखंड के वृंदावनी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को उपायुक्त द्वारा सरकार के विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने लोगों से आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में आकर योजनाओं का लाभ लेने को कहा। कहा कि कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान का प्रयास किया जा रहा है। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत ग्रामीणों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। पूर्व में आपको प्रखंड कार्यालय जाना पड़ता था पर राज्य सरकार की इस योजना के माध्यम से पूरी प्रशासन आपके घर आ गई है।आप अपनी अहर्ता के अनुसार सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले।इस दौरान अपील की गई कि आमजन योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। ताकि जानकारी के आभाव में योजना के लाभ से वंचित ना रहना

पड़े। इस कार्यक्रम में लाभुकों को बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त सर्वजन पेंशन योजना, निशुल्क साइकिल वितरण योजना, फलदार पौधा, कंबल सहित विभिन्न योजनाओं से सुयोग्य लाभुकों को अच्छादित किया गया।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर द्वारा जरुरतमन्द ग्रामीणों के मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

संयुक्त चिकित्सालय, सीमा सुरक्षा बल, टेकनपुर एवं सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर के तत्वाधान में विगत तीन दिसंबर को एक फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन मकोड़ा ग्राम, टेकनपुर में सुबह 1100 बजे से शाम 1500 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बी के झा महानिरीक्षक/सयुक्त निदेशक बी एस एफ अकादमी के द्वारा किया गया । इस अवसर पर डॉ. ए के त्रिवेदी, महानिरीक्षक/मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, एस पी तिवारी महानिरीक्षक, के एल शाह, महानिरीक्षक, एवं अन्य सीनियर अधिकारीगण उपस्थित रहे। जसवंत कुशवाह सभापति, टी सी पी भी मौजूद रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और इलाज हेतु आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते रहे।मेडिकल कैंप में संयुक्त चिकित्सालय, सीमा सुरक्षा बल, टेकनपुर के विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों - डॉ हिम्मत सिंह (बालरोग विशेषज्ञ), डॉ पी पी दास (एम डी फिजीसीयन), डॉ तृप्तपाल कौर (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ अरुण कुमार वी(मनोचिकित्सक), डॉ के के शर्मा (होम्योपैथी विशेषज) की टीम द्वारा रोगियों की स्वास्थ्य जांच एवं मुफ्त दवाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने में चिकित्सालय के योग्य पैरा मेडिक् एवं नर्सिंग स्टाफ ने भी अपना योगदान दिया। कैम्प के दौरान कुल 286 ग्रामीणों का उपचार किया गया और दवा वितरित की गई। गाँव के गणमान्य व्यक्तियों ने बी एस एफ द्वारा अयोजित कैंप की भरपूर सराहना की।

नारायण सिंह को निवास पर पहुंच कर दी बधाई

ग्वालियर। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में शानदार विजय हासिल करने सहित ग्वालियर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह कुशवाह के विजयी होने पर भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति सहित अनेक कार्यकर्ताओं द्वारा सुबह उनके निवास पहुंच कर पुष्प माला पहनाकर बधाई दी।इस अवसर पर ग्वालियर दक्षिण के नवनिर्वाचित

विधायक नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को ऐतिहासिक विजय मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की अगुवाई में भारत का वैश्विक स्तर पर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर पप्पू वर्मा, अलवेल सिंह घुरैया, पुत्तू प्रजापति, केशव मंसूरिया, गोपाल शर्मा, जीतू खरे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बन्हेरी गांव के सरपंच विक्रम रावत की हत्या में शामिल आरोपित पीएफ कमिश्नर मुंबई से गिरफ्तार

ग्वालियर.। बन्हेरी गांव के सरपंच विक्रम रावत की हत्या में शामिल इंदौर के पीएफ कमिश्नर मुकेश रावत को ग्वालियर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उसे ग्वालियर के लिए लेकर रवाना हो चुकी है। शाम तक उसे ग्वालियर लाया जा सकता है।उल्लेखनीय है कि आपसी रंजिश की वजह से बन्हेरी गांव के सरपंच विक्रम रावत की हत्या दिनदहाड़े कर दी गई थी। घटना के समय विक्रम रावत अपने

वकील से मिलने के लिए उनके घर आए हुए थे। तभी ताक में बैठे आरोपितों ने विक्रम पर अंधाधुंध गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। गोली लगने से विक्रम की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना में अन्य आरोपितों के साथ इंदौर के पीएफ कमिश्नर मुकेश रावत का नाम भी शामिल था। पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। लेकिन वे फरार थे। मुखबिर की सूचना पर ग्वालियर पुलिस गिरफ्तार करने के लिए मुंबई गई और गिरफ्तार कर लिया।

प्रियंका ने सिंधिया को अहंकारी, राजनाथ ने राहुल को बताया राहु-केतु

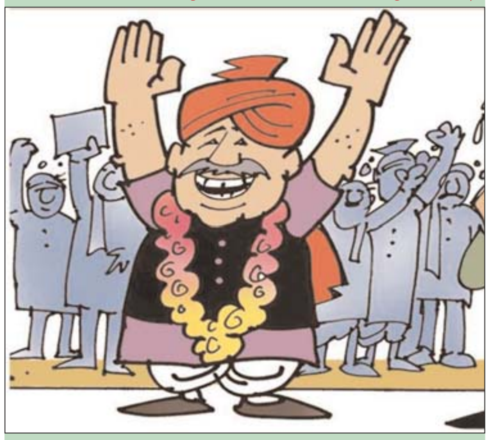

ग्वालियर, चुनाव प्रचार के दौरान अंचल के नेताओं के बीच दोनों दलों के बीच शीर्ष नेताओं के बीच जमकर जुबानी जंग हुई। नेताओं ने मतदाताओं को लुभाने के लिए वादे भी किये, और दोनों दलों के नेताओं के एक दूसरे की रीति-नीति पर प्रहार करते हुए तंज कसे। अंचल में चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ,मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ सहित अन्य नेता चुनाव प्रचार के लिए आए। दोनों अंचलों में सीटों के गणित के हिसाब से मुकाबला बराबरी पर छूटा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुरैना जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार शासनकाल पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया है। अब वक्त है इन लोगों को सजा देने का।

यशोधरा ने प्रचार से भी खुद को रखा दूर, अब लोकसभा चुनाव में हो सकती है वापसी

शिवपुरी । पिछले 25 वर्ष सक्रिय राजनीति में रहकर चुनाव लड़ती और जीतती आ रहीं यशोधरा राजे सिंधिया ने इस बार चुनाव न लड़ने का फैसला लेकर सभी को अचंभित कर दिया था। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए खुद को इस विधानसभा चुनाव से अलग किया था। इसके बाद उनके इस फैसले को लेकर कई तरह के कयास भी लगाए गए।चुनाव के दौरान एक बार भी नहीं आई शिवपुरीयशोधरा राजे सिंधिया ने चुनाव नहीं लड़ने के साथ इस बार प्रचार में भी किसी तरह से हिस्सा नहीं लिया। वे प्रचार के लिए खुद की पारंपरिक सीट शिवपुरी भी नहीं आईं और इंटरनेट मीडिया पर भी उन्होंने किसी प्रत्याशी विशेष का समर्थन नहीं किया। चुनाव में उनकी दूरी भी चर्चा का विषय रही।

हालांकि उनके समर्थकों ने भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र जैन के पक्ष में काम किया। अब उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। इस बारे में यशोधरा राजे सिंधिया ने अब तक कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उनके समर्थकों का कहना है कि वे ग्वालियर या शिवपुरी-गुना सीट से लोकसभा लड़ सकती हैं।

जीत का प्रमाण-पत्र लेकर दिल्ली रवाना हो गए तोमर

ग्वालियर (नप्र)। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मतगणना के दौरान रविवार को भोपाल में थे। दिमनी विधानसभा क्षेत्र से विजयी होने पर मुरैना कलेक्टर से जीत का प्रमाण पत्र लेने के लिए विशेष विमान से भोपाल में आए। प्रमाण-पत्र लेने के बाद वे ग्वालियर के रेसकोर्स रोड पर स्थित सरकारी आवास पर दस मिनिट के लिए पहुंचे। दरवाजे पर बहन मंजू व पत्नी किरण तोमर ने आरती उतारकर उनकी अगवानी की। बंगले पर दस मिनिट परिवार के बीच रुके और विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा से चुनाव लड़ा था। मतगणना के समय वे भोपाल स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ विधानसभा चुनाव के नतीजों पर नजर रखने के लिए मौजूद थे। दिमनी विधानसभा से जीत की सूचना मिलने पर रात में ही विशेष विमान से ग्वालियर पहुंचे और विमानतल से सीधे भोपाल के लिए रवाना हो गए। जीत का सार्टिफिकेट लेने के बाद सीधे दिल्ली रवाना होना था।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर मुरैना से लौटने के बाद रेसक्रोर्स रोड स्थित बंगले पर आए। परिवार के सभी सदस्य पत्नी किरण तोमर. बहन मंजू. बेटे व पुत्र वधु सहित अन्य रिश्तेदार मौजूद थे। कुछ नजदीकी कार्यकर्ता भी बंगले पहुंच गए थे। चुनाव में विजय होने पर पत्नी व बहन ने परंपरा के अनुसार चुनाव में विजय श्री मिलने पर आरती उतारकर मंगलमय भविष्य की कामना की। परिवार के लोगों से मिलने के बाद नरेंद्र सिंह तोमर विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद वरिष्ठ नेतृत्व से रात में चर्चा होनी थी। इसलिए वे जीत की खुशी परिवार के लोगों के बीच नहीं मना सके।

भरपूर विकास, भोजन-भंडारे भी खास, दतिया और क्या चाहती थी जो नहीं देख पाए नरोत्तम

ग्वालियर। इतना भी गुमान ना कर अपनी जीत पे ऐ बेखबर, शहर में तेरी जीत से ज्यादा चर्चे तो मेरी हार के हैं...। यह शेर इन दिनों मप्र की राजनीति में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की ओर से एकदम सटीक है। हर अखबार,चबूतरे की चर्चा और इंटरनेट मीडिया की पोस्ट पर नरोत्तम मिश्रा की हार क्यों हुई इस बात बात हो रही है। भाजपा के फायर ब्रांड नेता की हार पर लोग आसानी से विश्वास नहीं कर पा रहे हैं।नरोत्तम मिश्रा की राजनीति और काम करने का तरीका मैं बहुत करीब से देखता आ रहा हूं क्योंकि पिछले छह साल से मैं ग्वालियर में हूं और डा नरोत्तम मिश्रा का राजनीतिक सात्पाहांत दतिया-ग्वालियर में ही गुजरता था। उन्हें यारों का यार उनसे जुडे लोग कहते हैं।लेकिन क्या कुछ लोगों से यही यारी इतनी बढ़ गई कि दतिया के आम लोग नाराज हो गए ?पिछले 90 दिनों में मैंने दतिया की दो बारीक ग्राउंड रिपोर्ट की हैं। एक चुनाव से बहुत पहले और दूसरी वोटिंग के ठीक पहले। दोनों में मैंने एक बात कामन देखी वो है दतिया विधानसभा क्षेत्र के दो ध्रुव, एक गांव और दूसरा शहर। जितना मुझे गांवों में स्थिति नाजुक दिखाई दी उतनी ही दतिया या बसई जैसे शहरी क्षेत्र में मजबूती। हालांकि दोनों ही जगह मुझे विकास के प्रति संतुष्टि दिखाई दी लेकिन इनके खास लोगों के प्रति गुस्सा। आंकड़ें कहते हैं पिछले चुनावों में नरोत्तम गांवों से हारे और दतिया और बसई जैसे शहरी क्षेत्रों को बढ़िया लीड मिली है। 2018 में तो चुनाव लगभग हार गए थे लेकिन जब अंतिम चक्रों में बसई की ईवीएम खुली तो 16 हजार में से 13 हजार मत एकतरफा उनके ही निकले। अकेले बसई ने कांग्रेस की लीड समाप्त कर जीत का सेहरा नरोत्तम को बांध दिया। नरोत्तम फिर मंत्री बने और उसके बाद दतिया में चल रहा विकास का सिलसिला नए मुकाम पर पहुंच गया। गांव-गांव तक पक्की सड़कें,दतिया में मेडिकल

कालेज,हर थाने-अस्पताल की चमचमाती बिल्डिंग,पुलिस आवास,जज आवास,हवाई पट्टी,फिशरीज कालेज,संस्कृत आवास विद्यायल,वेटनरी कालेज,ला कालेज,एरई में शुगर मील, जैसे विकास के तमाम काम हैं जो धरातल पर कोई भी देख सकता है। यदि विकास जीत की चाबी होती है तो फिर इस चाबी से ताला क्यों नहीं खुला?दतिया धार्मिक नगर ही। यहां नारा लगाया जाता था जय पीतांबरा माई की जह नरोत्तम भाई की...। नरोत्तम मिश्रा ने माई प्रकटोत्सव, दतिया गौरव दिवस, पार्थिव शिवलिंग, बड़े कथावाचकों के कार्यक्रम,भंडारे,धार्मिक कार्यक्रमों की ऐसी श्रृंखला बना दी जो पिछले कई माह से चली ही आ रही थी। पिछली ग्राउंड रिपोर्ट के दौरान हुई मुलाकात में बोले थे- मैं दतिया के धार्मिक वातावरण को इतना बढ़ा दूंगा जिससे यहां का पर्यटन उद्योग बढ़ जाए। यदि लोग उत्सवधर्मी होते हैं फिर इनके कार्यक्रमों में जुटने वाली लाखों की भीड़ वोट के वक्त क्यों मुकर गई?कुछ तो बात है जो अदृश्य थी। क्या अपने आसपास के लोगों पर इन्होंने जरूरत से ज्यादा विश्वास किया? क्योंकि बसई से मेरे पास कई बार फीडबैक आया कि यहां जुआ,सट्टा,अवैध शराब जमकर चल जा रही है जिस पर पुलिस जानबूझकर लगाम नहीं लगा रही क्योंकि वह लोग उनके खास हैं। पिछली बार ग्राउंड रिपोर्ट के दौरान में मैंने उनसे सवाल भी किया था कि बसई से यह आरोप क्यों लग रहे हैं? यूपी के बदमाशों को जिम्मेदार ठहराते हुए बात टाल गए। क्या वह लोग नरोत्तम के इतने खास थे कि चाहकर भी उन पर कंट्रोल नहीं कर पाए? विपक्ष खासकर इनके प्रतिद्वंद्वी आरोप लगाते रहे कि मोटा कमीशन के कारण विकास के कंस्ट्रक्शन के इतने काम हो रहे हैं, क्या कमीशनखोरी की बात को प्रतिद्वंद्वी लोगों के मन में बिठाने में सफल हो गए या सचमुच ऐसा माहौल बन चुका था जिसे नरोत्तम यारी के कारण देख नहीं पा रहे थे या नजरअंदाज करते रहे। क्योंकि मतगणना के 13 राउंड (हर राउंड में अलग-अलग जगहों की ईवीएम खुलती हैं) में से 3 राउंड में ही प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले चंद मत अधिक ले सके। यानी दतिया विधानसभा के हर इलाके में दबा हुआ गुस्सा ईवीएम के बटन पर दिखाई दिया। दसवें राउंड तक जब कांग्रेस प्रत्याशी की लीड आठ हजार पहुंच चुकी थी तब बारी थी बसई के ईवीएम से पिछले बार जैसे चमत्कार की। एक-एक कर तीनों राउंड की ईवीएम खुली..11 वें राउंड में एकतरफा की जगह 866 वोटों की हार मिली,12 राउंड में 379 वोटों की हार..13 वें में महज 735 वोटों की जीत ले सके लेकिन यह मत 8 हजार की ओवरआल बड़े गड्ढे को भरने में नाकाफी थे..नतीजा नरोत्तम मिश्रा दतिया में अपना चौथा चुनाव 7742 वोटों से हार गए।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478